अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो: 8233244421, 9414244421

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 146 | नागौर, मंगलवार 18 मार्च 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रु.

प्रात:कालीन संस्करण

पुष्कर, अजमेर, नोखा, बीकानेर, बावड़ी, जोधपुर, मकराना, परबतसर, नावां, कुचामन, लाडनूं, डेगाना, मेड़तासिटी, कुचेरा, मूंडवा, डीडवाना, जायल, खींवसर में प्रसारित।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष की नई टीम में ज्यादातर... पेज 8

जैसलमेर में सैलानियों को परेशान करते 2... पेज 6

अल्पना एडवरटाईजिंग एजेंसी
1/44 व्यास कालोनी नागौर
सभी समाचार पत्रों के विज्ञापन बुक किए जाते है।
मो: 8233244421, 9414244421

घूसखोर एसई को तीन साल की सजा

जोधपुर, 18 मार्च। जोधपुर के विशिष्ठ न्यायाधीश संख्या-2 ने जोधपुर डिस्कॉम के अधीक्षक अभियंता प्रकाशचंद जैन को डेढ़ लाख रूपए की रिश्वत मांगने के मामले में तीन साल की सजा और 50 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित करने के आदेश दिए हैं।

जैन ने 24 जुलाई 2014 को लोकसेवक की हैसियत से पचार बिल्डर्स विजय नगर के संचालक मुरलीधर पचार से उनकी फर्म के बिल पास करने की एवज में घूस मांगी थी। दरअसल, विजय नगर की फर्म पचार बिल्डर्स ने जोधपुर डिस्कॉम के एसई (सिविल) जोधपुर के अंतर्गत विभिन्न कार्य किए थे और इसके लिए एक बिल 33 केवी उप चौकी भवन व चार दीवारी निर्माण से संबंधित थे। इस बिल की कुल राशि 11 लाख 17 हजार रुपए का भुगतान कराने की एवज में तत्कालीन एसई प्रकाशचंद जैन ने 1 लाख 70 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस पर ठेकेदार फर्म के संचालक मुरलीधर पचार ने इसकी शिकायत एसीबी से की। एसीबी की टीम ने रिश्वत मांगने के इस मामले में सत्यापन की कार्रवाई की, तो उसमें 1.50 लाख रुपए की घूस मांगे जाने की पुष्टि भी हुई थी। इस प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से कुल 19 गवाह पेश किए गए तथा अभियोजन की ओर से 51 दस्तावेज तथा 6 आर्टिकल पेश किए गए। एसीबी कोर्ट संख्या-2 जोधपुर में सहायक निदेशक दिनेश तिवाड़ी द्वारा पेश दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्यों व तर्कों से सहमत होते हुए विशिष्ठ न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्र..सं.2, जोधपुर मधुसूदन मिश्रा ने अपराध संख्या 399/2014, मुकदमा संख्या 35/21 सरकार बनाम प्रकाशचंद जैन पुत्र नूरचंद जैन, निवासी मालियों का बास, मीरपुरा बाड़मेर तत्कालीन अधीक्षण अभियंता (सिविल) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर में फैसला सुनाते हुए अभियुक्त प्रकाशचंद जैन को भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत दोषी करार देते हुए धारा 7 पीसी एक्ट में 3 वर्ष का साधारण कारावास और 50,000 रूपए के अर्थ दण्ड से दंडित किया। अर्थ दंड नहीं भरने की स्थिति में 6 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई।

स्पेशल ट्रेन का संचालन 22 मार्च से

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। होली के त्योहार पर छुट्टियों को देखते हुए चलाई गई बीकानेर-गुवाहाटी-बीकानेर स्पेशल एक्सप्रेस 22 मार्च को भी चलेगी।

गुवाहाटी-बीकानेर स्पेशल ट्रेन 17 और 24 मार्च को 2 ट्रिप करेगी। अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए रेलवे ने यह फैसला किया है और होली स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य सूचना व जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 04723 बीकानेर-गुवाहाटी स्पेशल ट्रेन अब 22 मार्च को चलेगी। यह ट्रेन 15 मार्च को भी चली।

अफीम की खेती पकड़ी, 160 पौधे बरामद कर आरोपी को पकड़ा

(नगर संवाददाता)

नागौर/डीडवाना, 18 मार्च। डीडवाना-कुचामन जिले में पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद के नेतृत्व में मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मौलासर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धनकोली गांव में अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से 160 हरे अफीम के पौधे बरामद किए। आरोपी भुवानाराम ने 400 वर्गफुट क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती कर रखी थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी आरोपी भुवानाराम को गिरफ्तार किया है। एसपी हनुमान प्रसाद ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी तरह के अवैध व्यापार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अपने आसपास मादक पदार्थों से जुड़ी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इससे समाज को नशे की बुराई से बचाया जा सकेगा।

भाविप के फागोत्सव में बही रसवंती धारा

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। भारत विकास परिषद शाखा नागौर परिवार के होली स्नेह मिलन और फागोत्सव- 2025 का आयोजन बाठड़ियों का चौक स्थित ब्राह्मण स्वर्णकार पंचायत भवन में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद् के क्षेत्रीय मंत्री संपर्क नृत्यगोपाल मित्तल, पूर्व संरक्षक रामकिशोर सारड़ा, शाखा अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, सचिव चरण प्रकाश ने भगवान कृष्ण और राधा के भव्य दिव्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस फागोत्सव के संयोजक रवि प्रकाश डागा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल व्यास कॉलोनी की संतोष मांझू, सुनीता कंवर,

अनुराधा गौड़, मधु शर्मा, नूतन स्वामी ने फाग गीतों और भजनों से मस्ती के वातावरण का निर्माण किया।

इस समूह द्वारा गाए गए गीतों और भजनों पर परिषद् परिवार के सभी सदस्य थिरकने पर मजबूर हो गए। परिषद् परिवार के वरिष्ठ सदस्य प्रवीण बांठिया ने भी होली के मस्ती भरे गीतों की प्रस्तुतियां दीं। श्याम परिवार के सुरीले गायक श्याम अटल, मुन्ना स्वर्णकार, पवन राठी ने श्याम बाबा के भजनों से समा बांध दिया। नागौर शाखा के सह सचिव शरद कुमार जोशी ने भी फाग गीतों की प्रभावी प्रस्तुति दी।

जगदीश बंसल ने बृज बरसे... गीत गाकर दाद बटोरी। इस अवसर पर सभी सदस्यों के मस्तक पर गुलाल का तिलक किया और सांवरिया गिरधारी को पुष्पों की होली खिलाई गई।

इस अवसर पर जे एस डब्ल्यू के अधिकारी विरेन्द्र सैनी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघचालक मुकेश भाटी, परिषद् के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.बाबूलाल भूतड़ा, हरिराम धारणिया, भोजराज सारस्वत, विश्व हिंदू परिषद के रामेश्वर सारस्वत, सेवानिवृत्त प्रो. भवानी शंकर रांकावत, नरेंद्र सोनी, पवन अग्रवाल, विकास सोनी, हेमंत जोशी, संरक्षक कैलाश सारड़ा, अशोक राठी, डॉ.अमित राठी, सत्यनारायण वैष्णव, दिनेश शर्मा, बजरंग लाल शर्मा, मनोज जैन, दुर्गाशंकर बजाज, राजेंद्र असावा, उम्मेदसिंह राजपुरोहित, डॉ. पल्लव शर्मा, नवनीत चौरड़िया, नागरचंद भार्गव सपरिवार उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन शरद कुमार जोशी ने किया।

नृत्यगोपाल मित्तल ने समस्त अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। फागोत्सव का समापन श्याम बाबा की आरती के साथ किया। आरती के बाद सभी सदस्यों ने सपरिवार महाप्रसादी का भोजन ग्रहण किया।

झाड़ियों में लगी आग, 2 घंटे में पाया काबू

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। मूंडवा में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास अंगोर क्षेत्र में आग लग गई। यह घटना सीमेंट प्लांट और ज्ञान तालाब के बीच के क्षेत्र में हुई।

तालाब के अंगोर क्षेत्र में छोटी-बड़ी झाड़ियों और घास-फूस में आग ने तेजी से पकड़ ली। हाईवे से गुजरते लोगों ने दमकल को सूचना दी। मूंडवा नगर पालिका से मजीद खान और सलीम खान दमकल लेकर तुरंत मौके पर पहुंचे। खुले मैदान में हवा के कारण झाड़ियों में आग तेजी से फैल रही थी।

स्थानीय सीमेंट प्लांट की दमकल भी मौके पर पहुंच गई। दोनों दमकलों की टीमों ने मिलकर करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग को नियंत्रित कर लिया गया, जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

केदारनाथ की आंखे दो जनों को प्रदान करेगी ज्योति

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। भारत विकास परिषद शाखा नागौर की पहल पर मरणोपरांत नेत्रदान संपन्न हुआ।

परिषद के नागौर शाखा के पूर्व सचिव श्रवण कुमार सोनी ने बताया कि भूरावाड़ी निवासी लोकेश व शरद सोनी के पिता केदारनाथ रोड़ा का परिजन द्वारा मरणोपरांत नेत्रदान किया। भाविप के पदाधिकारियों ने सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से नेत्रदान करने के लिए प्रेरित कर रहे है इससे पूर्व भी केदारनाथ रोड़ा के पिता स्व. ओम प्रकाश रोड़ा का भी नेत्रदान भारत विकास परिषद की प्रेरणा से हो चुका है।

नेत्रदान में परिषद की नागौर शाखा अध्यक्ष आनंद कुमार अग्रवाल, विकास सोनी उपस्थित थे तथा सेवानिवृत्त नर्सिंग अधीक्षक संतोष कुमार सोनी मौजूद थे।

परिषद की ओर से संपूर्ण रोडा परिवार भूरावाड़ी को साधुवाद दिया। नेत्रदान की इस प्रकिया में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र शर्मा, रेजिडेंट डॉ.सिद्धि पटेल, नर्सिंग ऑफिसर रवि अपूर्वा एवं वार्ड बॉय पंकज जावा द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

कमेटी ने किया मंदिर निर्माण कार्य का निरीक्षण

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। सत्यवादी श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर नव निर्माण कार्य का अखिल भारतीय सत्यवती वीर तेजाजी जन्मस्थली खरनाल कमेटी के साथ मिलकर निरीक्षण किया और चर्चा की। सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर निर्माण कार्य और गति से चल सके सत्यवादी वीर तेजाजी भक्तों की भावनाओं के अनुसार भव्य मंदिर निर्माण कार्य हो। इस मौके पर अखिल भारतीय वीर तेजाजी कमेटी के अध्यक्ष सुखराम खुडखुड़िया, डॉ. अजय सिंह चौटाला के प्रतिनिधि बिट्टू नैन, कमेटी के कोषाध्यक्ष भंवर धोलिया, कमेटी के सदस्य हरिराम जाजड़ा मौजूद थे।

राज्यपाल का नागौर दौरा 20 मार्च को

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे 20 मार्च को नागौर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल बागडे 20 मार्च को लाडनूं से प्रस्थान कर दोपहर जिला परिषद सभागार पहुंचेंगे तथा जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे। सर्किट हाउस, नागौर के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि विश्राम के बाद 21 मार्च को जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

पशु चुराने का आरोपी गिरफ्तार

(नगर संवाददाता)

नागौर/डीडवाना, 18 मार्च। राजस्थान के डीडवाना में पुलिस ने पशु चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद के निर्देशन में गच्छीपुरा थाना पुलिस ने दो शातिर पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ग्राम पोबेरी मण्ड से पप्पू उर्फ असलम और जाकिर कुरैशी को पकड़ा है। ये दोनों गच्छीपुरा और आसपास के थाना क्षेत्रों में सक्रिय पशु चोर गिरोह के सदस्य हैं।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने गच्छीपुरा और आसपास के इलाकों में दर्जनों बकरी चोरी की

वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल की गई बोलेरो गाड़ी को भी जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारी मामले की गहन जांच कर रहे हैं। आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ जारी है।

नागौर जिले में एक दर्जन स्थानों पर निकलेगी रामनवमी की शोभायात्रा

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। विश्व हिंदू परिषद जिले के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक मुंडवा रोड पर स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में जिला अध्यक्ष रामेश्वर सारस्वत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिले के उपाध्यक्ष नंदकिशोर करवा तथा प्रवीण बांठिया भी मंच पर मौजूद थे।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत के सह मंत्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने कहा कि प्रत्येक ग्राम स्तर तक रामनवमी की शोभायात्रा के साथ रामोत्सव को मनाना है तथा प्रत्येक जाति बिरादरी के प्रमुख लोगों की बैठकें आयोजित करके रामोत्सव की जानकारी प्रदान करनी है प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने गांव में रामोत्सव का कार्यक्रम करना है। उन्होंने कहा की जन्म से लेकर मृत्यु तक राम हमारे जीवन में है सर्व हिंदू समाज को साथ लेकर हमें श्रीराम जन्मोत्सव को मनाना है। उन्होंने आगामी दिनों में संगठन द्वारा होने वाले प्रशिक्षण वर्गों की जानकारी प्रदान की तथा कहा कि प्रशिक्षण और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की मूल धूरी होती है।

कार्यकर्ताओं के माध्यम से हिंदू समाज में सामाजिक समरसता की ज्योति जलाएं। बैठक को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष डॉ. राम गोयल ने कहा कि अपना कार्य तथा कार्य पद्धति एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से हिंदू समाज में सामाजिक समरसता तथा संगठन की ज्योति को जलाए रखना है। राम के जीवन से हमें अनुशासन एवं मर्यादा सीख कर समाज में स्थापित करनी है। उन्होंने कहा कि परिवारों में संस्कारों की बात करना अपने कुटुंब को मजबूत बनाने में हमारी सक्रिय भूमिका रही। डॉ. रामगोयल ने कहा कि रामनवमी हिंदू समाज के जागरण का महापर्व है। हमारी युवा पीढ़ी को सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएं तथा हर घर में संगठन की शक्ति का एहसास करवाना हमारा परम कर्तव्य है। हिंदू समाज को मजबूत बनाने में प्रमुख संत महात्माओं के साथ यह कार्य हमें करना है और हिंदू समाज की एकता सामाजिक समरसता के इस रामनवमी पर्व को धूमधाम के साथ मनाना है।

संगठन के कार्य को गति प्रदान करने के लिए नथमल दाधीच को जिले में सामाजिक समरसता प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई तथा रामकुमार दाधीच को खिंवसर प्रखंड में मंत्री का दायित्व दिया। सीताराम सोनी को प्रखंड में मीडिया प्रमुख की जिम्मेदारी दी। इसी प्रकार पांचला सिद्धा खंड में चोलाराम जाणी को अध्यक्ष तथा बाबूलाल बिश्नोई को मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसी प्रकार नागौर शहर प्रखंड में किशन ओझा को सह मंत्री की जिम्मेदारी दी गई एवं रितेश परिहार प्रीतम भट्ट तथा धीरज कोठारी को नागौर शहर के लिए बजरंग दल में सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी गई। सभी नए पदाधिकारी को अंग वस्त्र पहनाकर प्रांत के अधिकारियों ने सम्मान किया। इस बैठक में विश्व हिंदू परिषद प्रांत के सह सत्संग प्रमुख पुखराज सांखला, जिला सह मंत्री रामनिवास झाड़वाल, कोषाध्यक्ष गणेश त्रिवेदी, धर्म प्रसार प्रमुख राधेश्याम टोगसिया, गौ सेवा प्रमुख सुरेश अटल, सत्संग प्रमुख रामनिवास प्रजापत, प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद ओझा, बजरंग दल के जिला संयोजक हरीश सिंवर, अनिल खदाव, मातृशक्ति की विभाग संयोजिका बबीता बेनीवाल, जिला संयोजिका अनुपमा उपाध्याय, दुर्गा वाहिनी की विभाग संयोजिका माया सांखला, जिला संयोजिका कविता सांखला सहित जिले भर से आए हुए विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता, बंधु भगिनी और अधिकारी मौजूद थे। जिला अध्यक्ष रामेश्वर सारस्वत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

मौसम में घुली ठण्डक

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। प्रदेश में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते पिछले 5 दिन से नागौर में मौसम बदला हुआ है। इन दिनों रात में नागौर में जोरदार ठंडक का एहसास हो रहा है। सुबह-सुबह मद्म हवाओं का दौर चल रहा है। आसमान में बादलों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। हालांकि आज तेज धूप निकली है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अभी नागौर में ठंडी रातों का दौर जारी रहेगा।

20 मार्च तक मौसम ड्राई बना रहेगा, इसके बाद फिर तापमान में उतार चढ़ाव की संभावना है। नागौर के गवर्नमेंट एग्रीकल्चर कॉलेज स्थित वेदर स्टेशन सुबह न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले यहां न्यूनतम तापमान 15.5 और अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया था। आसमान में छितराए हुए बादलों की आवाजाही रही। शाम होते-होते तापमान में गिरावट होने लगी। जयपुर मौसम केंद्र ने नागौर में आज तापमान स्थिर चलने की संभावना जताई है।

बारिश की गतिविधियां अब थम चुकी हैं। अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस का दौर खत्म होने के बाद भी सुबह-शाम एक बार फिर ठंडक का एहसास होने लगा है। दिन में धूप के बावजूद रात में अच्छी-खासी ठंड पड़ रही है।

भारतीय किसान संघ की बैठक में होली स्नेह मिलन आयोजित

(नगर संवाददाता)

नागौर, 18 मार्च। भारतीय किसान संघ नागौर जिले की मासिक बैठक एवं होली स्नेह मिलन कार्यक्रम ब्रह्मपुरी स्थित केशव कृपा भवन में जिला अध्यक्ष जस्साराम चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

बैठक में सर्वसम्मति से निम्न प्रस्ताव लिए गए और उनकी समय पर पालना निश्चित करवाने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर को ज्ञापन देकर एक पांच सदस्य समिति का गठन किया। इस समिति में जिला अध्यक्ष जस्साराम चौधरी, जिला मंत्री रामनिवास राव, उपाध्यक्ष सीताराम ईनानियां, महादेव काला तथा धारुराम चौधरी का नाम तय किया। किसानों को खेत में आने-जाने के लिए कटानी रास्ते जो पुराने समय से चले आ रहे थे। इनको कुछ अतिक्रमणकारियों लोगों ने जबरन बंद कर दिया है । किसानों को अपने खेत की उपज मंडी व घर लाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन को लिखित में देने के बावजूद लिपा पोती कर रहे हैं। बैठक में संघ के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

खाटू में श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बाबा श्याम के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

खाटूश्यामजी। कस्बे में बाबा श्याम के दर्शन के लिए खाटू धाम में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। वार्षिक लक्खी मेले के बाद यह पहला रविवार होने के कारण सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज से आए श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन कर रहे हैं। बाबा श्याम का सतरंगी फूलों से भव्य रूप से सजाया गया जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। भक्त बाबा श्याम के जयकारों के साथ दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी की ओर से विशेष सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था की गई है। कमेटी के सुरक्षा गार्ड्स दर्शन व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं ताकि भक्तों को सुगम दर्शन का लाभ मिल सके। खाटूश्यामजी में हर रविवार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है लेकिन लक्खी मेले के बाद यह पहला रविवार होने से इस बार विशेष रूप से अधिक भक्त बाबा के दरबार में पहुंचे।

विकसित राजस्थान के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कर रही कार्यः मुख्यमंत्री

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशभर के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की एवं होली पर्व की रामा-श्यामा की। मुख्यमंत्री ने आवास पर फागोत्सव कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि होली रंगों का त्यौहार है। यह हमारे जीवन में भी अनेक खुशियों के रंग भरता है। यह पर्व हमारे आपसी सौहार्द और प्रेम को बढ़ाता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार युवा, महिला, मजदूर और किसान की खुशहाली के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और नेतृत्व में विकसित भारत बन रहा है। साथ ही, विकसित राजस्थान के लिए भी हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने धरती धोरां री.....मेरे देश की धरती....सहित होली पर्व के स्थानीय गीतों

की भी सुंदर प्रस्तुतियां दी। मुख्यमंत्री ने सभी आगंतुकों के चंदन का टीका लगाया और आत्मीयता से मिलते हुए सभी का अभिवादन स्वीकार किया। साथ ही, होली त्यौहार की रामा-श्यामा भी की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राजेन्द्र गहलोत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सतीश पूनिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी, अजीत मांडण, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज सहित विभिन्न सांसद, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिनभर चला शुभकामनाओं का दौर : प्रदेशभर के दूर-दराज क्षेत्रों जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद, भरतपुर, कोटा, बारां आदि जिलों से भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारीगण, मण्डल अध्यक्ष स्तर के कार्यकर्ता होली की रामा-श्यामा करने मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। मंच के ठीक सामने ढप एवं चंग के साथ शेखावाटी के कलाकारों की मंडली ने अपनी प्रस्तुती से माहौल को खुशनुमा बना दिया। वहीं दूसरी ओर राजस्थान के प्रसिद्ध गायक प्रकाश माली ने भी अपनी प्रस्तुती से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बजट घोषणाएं समयबद्धता से पूर्ण होकर धरातल पर आएं- ऊर्जा मंत्री

कोटा। ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने कहा कि बजट घोषणाएं समयबद्ध रूप से पूरी हों ताकि तय समय पर सभी घोषणाओं को धरातल पर उतारा जाए और जनता को इनका पूरा लाभ मिल सके।

सोमवार को ऊर्जा मंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में सांगोद विधानसभा क्षेत्र के लिए की गई नवीन बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की तैयारी एवं गत वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। श्री नागर ने कहा कि हर खेत तक रास्ता पहुंचाना हमारा संकल्प है, इस संकल्प की सिद्धि में

अधिकारी भी सहयोगी बनें, अधिकारी पंचायतों में जाएं खेतों के लिए रास्ते सुनिश्चित कराएं। प्रचलित रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए ताकि नरेगा अन्तर्गत कार्य कराए जा सकें।

ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को पीएम किसान सम्मान निधि की पेंडेंसी जीरो करने के भी निर्देश दिए। कहा, किसानों की केवाईसी करने के लिए संवेदनशील कर्मचारियों की नियुक्ति हो और कैंप लगाकर कमियों को दूर किया जाए, किसान को भटकना न पड़े और कोई पात्र किसान वंचित न रहें।

गर्मी में बिजली-पानी के समुचित प्रबंध हों

गर्मी के दिनों में पानी बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा, डिस्ट्रीब्यूशन बढ़ाते हैं तो प्रेशर और पाइप भी बढ़ना चाहिए। जहां टैंकर, हेडपंप की आवश्यकता है, वहां उपलब्ध कराया जाए। जल संसाधन विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं में सीमल्या में फ्लड डायवर्जन, विनोद खुर्द में जल भराव एवं बाढ बचाव कार्यों, सावनभादौ बांध में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी के प्रबंधन सहित अन्य योजनाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने सीएडी के अन्तर्गत संचालित और प्रस्तावित नहर सुदृढ़ीकरण कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मेन कैनाल पर जर्जर पुलियाओं को सुधारा जाए।

विकसित राजस्थान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा. धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। वे जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार भी वंदनीय और गौरवशाली सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए प्रयासरत है।

आधी आबादी की उन्नति और प्रगति की सोच

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य और भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश के आस्था स्थलों का पुनरूद्धार कार्य करवा रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिए तेजी से काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हम राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर उनको स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

सैनी समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन रामनवमी पर हुई विस्तृत चर्चा

चाकसू। श्रेत्र के रामपुरा गांव मे स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले सैनी छात्रावास परिसर मे माली समाज की महासभा की बैठक राकेश पारोत्या की अध्यक्षता में आयोजित की गई, महासभा चौरासी की बैठक में सामुहिक विवाह सम्मेलन को लेकर समाज के भामाशाहो ने बढ चढकर भाग लिया समाज के वरिष्ठ लोगों की सहमति से अगली महासभा चौरासी का आयोजन (अमावस्या) को रखी गई है। मीटिंग में सांगानेर, चाकसू, शिवदासपुरा, रूपाहेडी, चंदलाई, सवाईमोधोसिंहपुरा, छांदेल, कोटखावदा, बडोदिया, केशवपुरा, माधोराजपुरा, झामदा, चांदमा, बीची, राहोली, कनेसर गुन्सी, निवाई, टोक, बोंली, सवाईमाधोपुर, दौसा, लालसोट, चारणवास समेत अनेक स्थानों से आए हुए समाज बंधु मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मंगलवार, 18 मार्च, 2025

- **मेष :** किसी खास कार्य को लेकर किए गए प्रयासों में बेहतरीन सफलता मिलने वाली है। सिर्फ कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित विचार-विमर्श अवश्य कर लें। कहीं फंसा हुआ पैसा मिल जाने से घर की देखरेख संबंधी गतिविधियां शुरू होंगी।
- **वृष :** ग्रह स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ समय से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का अनुकूल समय आ गया है। आप थकान और तनाव से राहत पाने के लिए आराम और मनोरंजन के मूड में रहेंगे।
- **मिथुन :** अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें तथा आगे बढ़े। आपको कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहजता महसूस होगी। पिछले कुछ समय से चल रहे कार्य संपन्न होंगे और अपना समय आराम और कलात्मक संबंधी कार्यों में व्यतीत करेंगे।
- **कर्क :** दिनचर्या में नयापन लाने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों पर भी समय व्यतीत करें। इससे मन प्रफुल्लित रहेगा। नए नए संपर्क बनेंगे और इनके मार्गदर्शन से आर्थिक समस्या भी दूर होगी। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती हैं।
- **सिंह :** अपने कार्यों को नियत समय पर करने का लिया गया संकल्प पूरा करने में सक्षम होंगे। किसी संबंधी अथवा मित्र के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी तथा संबंध पुनः मधुर हो जाएंगे।
- **कन्या :** आज कोई रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इसलिए प्रयासरत रहें। किसी पारिवारिक समस्या को दूर करने के लिए किया गया आपका प्रयास कामयाब रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सलाह पर अमल करना फायदेमंद रहेगा।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** किसी संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे आप सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित किसी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **कुंभ :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं।
- **मीन:** आर्थिक गतिविधियां सुधरेंगी। आपके सभी काम सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। किसी राजनीतिक व्यक्ति की भी सहायता मिलेगी।

रेलवे की अभूतपूर्व प्रगति : वैश्विक निर्यात और रोजगार के नए आयाम

कोटा, 18 मार्च। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अपने हालिया संबोधन में भारतीय रेलवे की उल्लेखनीय प्रगति और भविष्य की योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। रेलवे के विकास एवं निर्यात के क्षेत्र में हाल के वर्षों में कई उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

प्रमुख उपलब्धियां एवं जानकारियां-

1. वैश्विक निर्यात में रेलवे की बड़ी भूमिका: भारतीय रेलवे अब विभिन्न देशों को आधुनिक रेल उपकरणों का निर्यात कर रहा है। प्रमुख निर्यात निम्नानुसार हैं-

मेट्रो कोचः ऑस्ट्रेलिया **बोगियांः** यूके, सऊदी अरब, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया

प्रोपल्शन सिस्टमः फ्रांस, मैक्सिको, रोमानिया, स्पेन, जर्मनी, इटलीयात्री **कोचः** मोज़ाम्बिक, बांग्लादेश, श्रीलंका

इंजन (लोकोमोटिव): मोज़ाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश

2. भविष्य की योजनाएं: बिहार के सारण जिले के मारहोड़ा में बने लोकोमोटिव (इंजन) का निर्यात जल्द ही शुरू होगा। आगामी दिनों में 100 से अधिक लोकोमोटिव का निर्यात किया जाएगा, जिससे 'मेड इन बिहार' लोकोमोटिव पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे। तमिलनाडु में निर्मित पहिए (Forged Wheel) का भी जल्द ही वैश्विक निर्यात शुरू होगा।

3. तकनीकी उपलब्धि: चिनाब ब्रिज में इस्तेमाल किए गए 30,000 टन स्टील का वजन 4 एफिल टावर के बराबर है, जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमताओं का उत्कृष्ट उदाहरण है।

4. रोजगार में वृद्धि: पिछले 10 वर्षों में रेलवे ने 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है, जो कि पहले की तुलना में काफी अधिक है।पिछली सरकार के समय यह आंकड़ा 4 लाख था, जबकि वर्तमान में 1 लाख लोगों की भर्ती प्रक्रिया जारी है, जिसमें लोको पायलट की भर्ती भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन उपलब्धियों को भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता और आधुनिकरण का परिणाम बताया। रेलवे का निरंतर विकास देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना रहा है।

अब यूडीए में भी हर माह के तीसरे बुधवार को होगी जनसुनवाई

आमजन की परिवेदनाओं का होगा त्वरित निस्तारण

उदयपुर, 18 मार्च। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय जनसुनवाई की तर्ज पर अब उदयपुर विकास प्राधिकरण भी जनसुनवाई करेगा। यूडीए सचिव हेमेन्द्र नागर ने बताया कि अब प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक प्राधिकरण स्तर पर विशेष जनसुनवाई होगी। इसमें संभागीय आयुक्त एवं यूडीए अध्यक्ष सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी की अध्यक्षता में जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। विशेष जनसुनवाई व्यवस्था से प्राधिकरण क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उनकी बिजली-पानी, सफाई व्यवस्था सहित अन्य सभी तरह की समस्याओं को त्वरित एवं पारदर्षितापूर्ण निस्तारण किया जा सकेगा।

उपभोक्ताओं को बताए साइबर ठगी से बचने के उपाय

उदयपुर, 18 मार्च। पंजाब नैशनल बैंक की ओर से 10 से 16 मार्च तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की प्रत्येक शाखा में विद्यार्थियों/आम जनता को डिजिटल भुगतान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। डिजिटल भुगतान से संबंधित साइबर धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। उपभोक्ताओं को करने योग्य तथा न करने योग्य बातें बताई गईं। इससे पूर्व बैंक द्वारा एसएमएस के माध्यम से अपने ग्राहकों को पीएनबी वन ऐप पर रजिस्टर करने, साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने और किसी भी प्रकार के संदिग्ध एसएमएस या कॉल का जवाब न देने के लिए आगाह किया। साइबर धोखाधड़ी/घटनाओं की रिपोर्ट बैंक में करने की सलाह दी गई। जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की सभी शाखाओं एवं बीसी लोकेशन पर भी ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के प्रति जागरूक किया गया।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स को प्रत्यक्ष मिलेंगे, रीको औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंड

उदयपुर, 18 मार्च। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024'' के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादन करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो तथा ऑनलाईन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेष पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना लंबित हैं, वे इस योजना में आवेदन कर सकते है।

उदयपुर के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध- राज्य के 98 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं इकाई प्रभारी रीको अजय पण्ड्या ने बताया कि इस योजना के तहत उदयपुर जिले के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। इसमें गिर्वा तहसील के कलड़वास विस्तार में 12, मावली के आमली में 68 और वल्लभनगर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र माल की टूस में 52 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं।

आवेदक 28 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन- राइजिंग राजस्थान के तहत एमओयू करने वाले निवेशकों को भूखण्ड आवंटन के लिए आवेदन की प्रक्रिया 17 मार्च से प्रारंभ हो गई हैं, जिसके लिये आवेदक को मय प्रोजेक्ट रिपोर्ट दिनांक 28 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योग्य आवेदक रीको की वेबसाइट www.riico.co.in, www.riico.rajasthan.gov.in या एसएसओ राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन या riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से रीको के बैंक खाते में जमा करानी होगी। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त होगे उनके लिये ई-लॉटरी 3 अप्रैल को प्रस्तावित हैं।

भूखण्ड आवंटन के लिए निर्धारित शर्तें- पण्ड्या ने बताया कि भूखण्ड आवंटन के लिए निर्धारित शर्तों के अनुसार ऐसे प्रोजेक्ट जिनकों स्थापित करने के लिए पर्यावरण स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उन आवंटियों को आवंटित भूखण्ड का कब्जा देने की तिथि अथवा डीम्ड कब्जा से 2 वर्ष में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ करना होगा तथा ऐसे प्रोजेक्ट जिनको पर्यावरण स्वीकृति आवश्यक है, उनके लिए यह अवधि 3 वर्ष होगी। वहीं आवंटी को आवंटित भूखण्ड पर उत्पादन शुरू करने से पहले मध्यवर्ती अनुक्रमों का पालन करना आवश्यक होगा। इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में माने जाने के लिए भूखण्ड के क्षेत्रफल का न्यूनतम 30 प्रतिशत अथवा अनुज्ञेय बिल्ड अप एरिया रेशियो का न्यूनतम 30 प्रतिशत के समतुल्य निर्मित होना एवं भूखण्ड आवंटन के आवेदन के समय प्रस्तुत प्रोजेक्ट रिपोर्ट में वर्णित मदों में से भवन निर्माण एवं प्लांट एवं मशीनरी के मद में दर्शायी गई राशि का 75 प्रतिशत राशि का उत्पादन के समय स्थायी रूप से निवेश उपरोक्त मदों में निर्धारित या विस्तारित समयावधि में निवेश आवश्यक होगा।

वृक्षम अमृतम ने किया वृक्षारोपण

उदयपुर, 18 मार्च। वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान और राजस्थान महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लखावली में 51 पेड़ लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। वृक्षारोपण में 51 आम, नीम, केले, मालेश्री और चीकू के पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम में सरपंच मोहन डांगी, वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपेश शर्मा, उपाध्यक्ष अनिल पारिख, सचिव यशवंत त्रिवेदी, शिव शंकर पालीवाल, महेश उपाध्याय, उपस्थित थे। अध्यक्ष गोपेश शर्मा ने विधार्थियों को वृक्षो के महत्व के बारे में बताते हुए, संरक्षण की शपथ दिलाई द्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मंजुलता परिहार ने सभी अतिथियों का ऊपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। लखावली गांव में प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर सामुदायिक जागरूकता के उद्देश्य से रेली निकाली गई। रेली में विद्यार्थियों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को संदेश के माध्यम से बताया गया। कार्यक्रम में डॉ शैलजा भारद्वाज, डॉ निरुपमा शर्मा, चंद्रावती जोशी और दिव्या राजावत उपस्थित थे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ निरुपमा शर्मा ने धन्यवाद दिया।

शयोर एवं केयर्न फाउंडेशन का डेयरी पशु प्रबंधन जन जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु साझा प्रयास

बाड़मेर, 18 मार्च। जागरूक सशक्त एवं संगठित बनकर उपभोक्ता अपने हक एवं अधिकार की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। अप्रमाणिक उत्पाद और अनुचित व्यापार से उपभोक्ताओं का शोषण के खिलाफ आवाज उठाने से ही हल संभव है। उक्त बात सोसायटी टु अपलिफ्ट रूरल इकोनामी (शयोर) बाड़मेर द्वारा केयर्न फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत दुग्ध अवशीतलन केंद्र परिसर डांगीयो की ढाणी ग्राम पंचायत देवड़ा मैं आयोजित विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजन के दौरान बोलते हुए सहायक परियोजना समन्वयक मालाराम चौधरी ने कही। चौधरी ने उपस्थित अतिथियों दुग्ध उत्पादको एवं किसानों का स्वागत करते हुए एवं दिवस के उद्देश्य की स्पष्टता करते हुए कहा की उपभोक्ता हमेशा प्रमाणिक गुणवत्ता युक्त हमेशा स्वच्छ शुद्ध सामग्री ही क्रय करें। तथा उसकी पावती ले।

चौधरी ने कहा कि अनुचित व्यवहार और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने से जहां कमजोर उपभोक्ता ठगी होने से बचेंगे वही कंपनियां कार्यवाही के डर से प्रमाणिकता की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने सुरक्षा का अधिकार चुनने का अधिकार जाचने का अधिकार शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का लाभ लेना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चौधरी ने परियोजना के तहत किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर परियोजना से जुड़कर उनका लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। फील्ड समन्वयक देवी सिंह देवड़ा ने विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की महता पर विस्तार से जानकारी देकर सभी को जागरूक एवं संगठित रहकर अपने अधिकारों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में समिति सचिव नाथाराम डांगी ने समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी देते हुए संस्था द्वारा डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत समुदाय आधारित किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उपस्थित दुग्ध उत्पादकों को डेयरी पर गुणवत्ता युक्त नियमित रूप से दूध देने हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम में 34 महिलाओं सहित कुल 47 दुग्ध उत्पादकों एवं किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम मैं सभी संभागीयो को प्रोत्साहन स्वरूप बैग एवं डेयरी एवं कृषि वार्षिक पंचांग 2025 कैलेंडर वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभाओं को जैविक उन्नत सब्जी किट पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान एवं दुग्ध उत्पादक वरजागा राम चौधरी, चेलाराम चौधरी, वर्षा देवी मेघवाल, संतोष कवर पुरोहित, श्रीमती लीला देवी, श्रीमती छगन देवी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की समाप्ति पर समिति सचिव नाथाराम डांगी एवं महिला समूह अध्यक्ष वर्षा देवी ने समिति स्तर पर कार्यक्रम रखने एवं कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अटल भूजल योजना की कार्यशाला

कोटा, 18 मार्च। जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई भूजल विभाग द्वारा अटल भूजल योजना के अंतर्गत सोमवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पंचायत प्रशिक्षण केंद्र सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि प्रिंसिपल पंचायत प्रशिक्षण केंद्र लोकेश दाधीच, सहायक निदेशक कृषि विस्तार सांगोद डॉ. नरेश कुमार शर्मा व सहायक निदेशक उद्यान विभाग सांगोद सुमन मीणा रहे। कार्यक्रम में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने उद्बोधन में पुरातन जल संरक्षण इकाइयों व जन सहभागिता पर चर्चा की एवं जल के महत्व को विस्तार पूर्वक समझाया। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में किस प्रकार जल का संरक्षण करके उसका सही और सरल उपयोग किया जा सकता है। वर्षा जल का सदुपयोग करते हुए इसका संग्रहण कर कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग किया जा सकता है। भूजल के गिरते जल स्तर पर भी चर्चा की गई। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से प्राप्त विभागीय अनुदान एवं अटल भूजल योजना में संचालित गतिविधियों द्वारा कृषि क्षेत्र में किस प्रकार पानी को रिचार्ज करने के लिए उचित संरचनाओं का निर्माण हो जिससे कि भविष्य में जल को सुरक्षित किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन आईईसी एक्सपर्ट जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई सुनीता चौहान ने किया। कोटा नोडल अधिकारी वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक अटल जल योजना, भूजल विभाग सुबोध मेहता ने योजना के अन्तर्गत मुख्य उद्देश्य एवं योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। आपसी समन्वय से किस प्रकार गिरते भूजल स्तर को रोका जाए, इस पर चर्चा की गई। साथ ही, कम पानी वाली फसलें लगाने पर जोर दिया।

19 मार्च को धौलपुर, 20 मार्च को बाड़ी एवं सरमथुरा में व्यापारियों को दी जाएगी फोस्टेक ट्रेनिंग

धौलपुर, 18 मार्च। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने बताया कि सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में व्यापारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री के निर्माण,भंडारण, परिवहन एवं विक्रय से संबंधित जानकारी हेतु फोस्टक ट्रेनिंग (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन) प्रशिक्षण शिविर एवं खाद्य कारोबार कर्ताओं के लिये मौके पर ही लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन पत्र बनवाने के लिए 19 मार्च को सुबह 11 बजे आशीर्वाद होटल में तथा 20 मार्च को सुबह 11 बजे अग्रवाल धर्मशाला बाड़ी एवं दोपहर 2:30 बजे राधारानी मैरिज होम सरमथुरा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के दौरान ईट राइट इंडिया कैंपेन के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली से आए प्रशिक्षक खाद्य पदार्थों के रखरखाव एवं साफ सफाई देखभाल से संबंधित प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत यह प्रशिक्षण अनिवार्य है सभी व्यापारी अपने स्टाफ सहित आधार कार्ड की फोटो प्रति लेकर आवश्यक रूप से उपस्थित हो। प्रशिक्षण शिविर में व्यापारी मौके पर ही खाद्य लाइसेंस पंजीकरण करवा सकेंगे।

पेंशन संबंधित समस्याओं के लिए कार्यशाला 21 मार्च को

कोटा, 18 मार्च। क्षेत्रीय पेंशन कार्यालय सीएडी परिसर में 21 मार्च, शुक्रवार को प्रातः 11 से सायं 4 बजे तक विभिन्न राजकीय सेवानिवृत्त पेंशनर्स अथवा भावी पेंशनर्स के पेंशन संबंधित समस्याओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

धौलपुर, 18 मार्च। साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में किसी प्रकार के रुकावट के निस्तारण हेतु उच्च स्तर पर पत्र लिखे जायें। इस दौरान बैठक में जिला कलक्टर ने खाद्य सुरक्षा आवेदनों की स्थिति पर जानकारी ली।

उन्होंने जिला रसद अधिकारी को खाद्य सुरक्षा के लंबित आवेदनों के निस्तारण हेतु समुचित कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर परिषद को शहर में साफ-सफाई के संबंध में समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने वार्डों के पुनर्गठन

हेतु जनसंख्या के आधार पर यथासंभव समान प्रतिनिधित्व के बारे में विशेष ध्यान रखे जाने हेतु निर्देशित किया।

इस दौरान उन्होंने सभी विभागां बजट घोषणाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों की क्रियान्विती की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देश दिये। उन्होंने लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को तीव्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महर्षि दाधीच समाज द्वारा होली मिलन समारोह

उदयपुर, 18 मार्च। महर्षि दाधीच सेवा संस्थान (दाधीच समाज) के द्वारा आज सेक्टर 4 स्थित समाज के भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान अध्यक्ष सुधीर जोशी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान समाज के लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर होली की बधाई व शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव संदीप दाधीच ने कहा है कि होली पर्व समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम है इस बहाने लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे को रंग अबीर लगाकर सामाजिक सौहार्द को बरकरार रखते हैं। कार्यक्रम में राधा कृष्ण की झांकी

का एवं महिलाओं द्वारा भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया।

इस अवसर पर मनोहर शंकर दाधीच उपाध्यक्ष डा दीपक व्यास, उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा कोषाध्यक्ष केदारनाथ दाधीच, सांस्कृतिक सचिव नीतू आचार्य, महिला अध्यक्ष डॉ नीतू व्यास, कैलाशचंद्र दाधीच, जगदीश आचार्य, गजेंद्र मिश्रा, निर्मल व्यास, नलिनी के. भट्ट, डिंपल दाधीच, उर्मिला दाधीच, राधेश्याम दाधीच, निशांत, शरद तिवारी सहित समाज के सभी बुजुर्ग युवा एवं महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन महिला अध्यक्ष नीतू व्यास ने किया।

कार्यालय नगर परिषद्, डीडवाना जिला डीडवाना-कुचामन

क्रमांक : न.परि.डी/भूमि/2024-25/7177 दिनांक : 12.03.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् डीडवाना में निम्न आवेदक द्वारा आवासीय भूमि से वाणिज्यक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु आवेदक के मानचित्र के साथ पत्रावली प्रस्तुत करते हुए भू-उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन किया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्रं. स.	आवेदक का नाम/ आवेदित भूमि का पता	भूमि का क्षैत्रफल	भू-उपयोग प्रयोजन	पडौस
1	2	4	7	
1	श्री महमूद खान, श्री रूस्तम खान, श्री सदाम हुसैन पुत्रगण श्री कासम खान निवासी डीडवाना	36.24	वाणिज्यक	उत्तर - दिनेश प्रकाश दक्षिण - रास्ता निकाल पैसार पूर्व - संयुक्त गली पश्चिम - रोड व निकाल पैसार

जिसके संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की 15 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित में आपतियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करायें अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं संस्था के पक्ष में भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही की जायेगी।

राज.संवाद/सी/24/13253 आयुक्त

हल्दीघाटी एक्सप्रेस का अरनेठा स्टेशन पर एक मिनट का ठहराव मिला

कोटा, 18 मार्च। रेल प्रसाशन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु रतलाम-आगरा फोर्ट/यमुना ब्रिज आगरा-रतलाम हल्दीघाटी एक्सप्रेस का मंडल के अरनेठा स्टेशन पर प्रयोगिक तौर पर अगले आदेश तक एक मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी संख्या 19817 व 19818 रतलाम-आगरा फोर्ट/यमुना ब्रिज आगरा-रतलाम हल्दीघाटी एक्सप्रेस रतलाम से प्रस्थान कर दिनांक 18 मार्च को अरनेठा 20.14 आगमन कर गंतव्य को जाएगी एवं इसी प्रकार यमुना ब्रिज आगरा से प्रस्थान करने वाली गाड़ी दिनांक 19 मार्च को सुबह 03.44 बजे अरनेठा आगमन कर गंतव्य को जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि हल्दीघाटी एक्सप्रेस का अरनेठा स्टेशन पर ठहराव से यात्रियों को लाभ मिलेगा। इस संबंध में यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन के ठहराव की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक 19 को

उदयपुर, 18 मार्च। जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक बुधवार 19 मार्च को अपराह्न 4 बजे जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। समिति के सदस्य सचिव एवं जिला कोषाधिकारी (ग्रामीण) ने सभी विभागीय अधिकारियों को सेवानिवृत कर्मचारियों व अधिकारियों की सूचना निर्धारित प्रपत्र में 18 मार्च तक प्रेषित करने तथा बैठक में नियत तिथि को आवश्यक सूचनाओं के साथ उपस्थित रहने को कहा है।

केन्द्रीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविरों के लिए आवेदन आमन्त्रित

उदयपुर, 18 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद जयपुर के तत्वाधान में केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर आबूपर्वत में 21 मई से 10 जून तक, जयपुर में 19 मई 8 जून तक एवं बांसवाड़ा में केन्द्रीय जनजाति प्रशिक्षण शिविर 23 मई से 12 जून तक लगाया जाना प्रस्तावित है।

जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि इन शिविरों में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रतिभावान खिलाड़ी 25 अप्रैल तक क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र लवकुश इनडोर स्टेडियम उदयपुर में आवेदन पत्र जमा करवा सकते है। आवेदन पत्र डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आरएसएससी डॉट इन से डाउनलोड कर सकते है। इसके लिए 31 मई 2025 को खिलाडियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 17 वर्ष होना आवश्यक है। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल प्रमाण पत्र या सरंपच द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ खेल प्रमाण पत्र संलग्न करना भी आवश्यक है। चयनित खिलाडियो को यात्रा भत्ता, नि:शुल्क आवास एवं भोजन व्यवस्था, खेल उपकरण, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ.पालीवाल ने बताया कि आबू पर्वत में बालक-बालिका वर्ग में हैण्डबॉल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, बाक्सिंग, एथलेटिक्स एवं तीरन्दाजी, जयपुर में बालक-बालिका वर्ग फुटबाल, क्रिकेट, जिम्नास्टिक जूडो, हॉकी, कुश्ती, कब्बड्डी, भारोत्तोलन, खो-खो, साइक्लिंग, बैडमिन्टन, टेबल-टेनिस, वूशु, तैराकी एवं जनजाति शिविर बांसवाड़ा में वालीबॉल, तीरन्दाजी, एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, फुटबाल, हैण्डबाल (बालक-बालिका वर्ग) तथा बास्केटबॉल (बालक वर्ग) में प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन किया जाएगा।

कोटा मे किया चुनाव कार्यकाल का उद्घाटन

कोटा, 18 मार्च। लायंस क्लब कोटा द्वारा प्रांत 3233 श्व2 में वर्ष 2025-26 के लिए वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सेकंड पद के चुनाव हेतु लायन सीपी विजयवर्गीय को अपना प्रत्याशी घोषित किया गया है। चुनाव संयोजक एमजेएफ अशोक नुवाल ने बताया कि सोमवार को विधिवत रूप से चुनाव कार्यालय का उद्घाटन गुमानपुरा, पुलिस थाने के समीप पूर्व प्रांत पाल लायन राजेंद्र अग्रवाल एवं पूर्व प्रांत पाल लायन पूर्णिमा खंडेलवाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

यह चुनाव आगामी 19 एवं 20 अप्रैल को उदयपुर में आयोजित किए जाएंगे।सी पी विजयवर्गीय ने बताया कि उन्होंने चुनाव संयोजक लायन अशोक नुवाल एवं कोटा रीजन के अन्य लायन साथियों के साथ पूरे प्रांत का व्यापक जनसंपर्क जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि पूरे प्रांत में लगभग 5200 सदस्य हैं और अधिकांश क्लबों ने मत एवं समर्थन का पूर्ण आश्वासन दिया है। अपने उद्बोधन में लायन सीपी विजयवर्गीय ने कहा, मेरा प्रयास होगा कि हम सभी भ्रातृत्व की भावना को और अधिक मज़बूत करें। सेवा के क्षेत्र में हम एक नई क्रांति लाएंगे और प्रेमभाव व सद्भाव को बढ़ावा देंगे। मेरी योजना है कि डिस्ट्रिक्ट में नए सेवा प्रकल्पों को जोड़ा जाए ताकि समाज के अधिक से अधिक वर्गों तक लायंस क्लब की सेवाएं पहुंच सकें। पूर्व प्रांतपाल राजेंद्र अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि प्रांत 3233 श्व2 चार भागों में विभक्त है, जिसमें कोटा, उदयपुर व अजमेर संभाग के साथ-साथ जोधपुर संभाग और मध्य प्रदेश के नीमच व मंदसौर जिले भी शामिल हैं। इस पूरे प्रांत में 5200 से अधिक लायन साथी सक्रिय हैं। सीपी विजय को सभी क्लबों के सदस्यों भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। समारोह के दौरान, पूर्व प्रांतपाल राजेंद्र अग्रवाल ने लायन सीपी विजय को लायंस क्लब इंटरनेशनल की पिन लगाकर सम्मानित किया, जो उनकी सेवाओं और समर्पण का प्रतीक है।

EXECUTIVE ENGINEER PHED RURAL DIV 1st ALWAR (NCR)

HKM NAGAR ALWAR(RAJ.). E-Mail- eephedrd1-alw-rj@nic.in

No-2638-49 Date- 10/03/2025

NOTICE INVITING BID (NIT No. 34/2024-25)

Bids for Tender invited for Construction of 125mm diameter Hand Pump 10 nos (installation of Hand pump sets, construction of platforms) with recharge structure under Rural Dn. 1st NCR Alwarare invited from interested bidders upto **05:00 PM** on **Date 25.03.2025** Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and https://phedwater.rajasthan.gov.in departmental website.

UBN: PHE2425WSOB11432

DIPR/C/3680/25 **Executive Engineer**

कार्यालय अधिशाषी अभि. जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड कांमा

क्रमांकः 1087-91 दिनांकः 3/3/25

संशोधित निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 1025-32 दिनांक 22-2-2025 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 60-62/2024-25 जो दिनांक 4.3.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जानी थी को अपरिहार्य कारणों से अब से निविदाएं दिनांक 15.3.25 को 6.00 बजे तक खोली जाकर दिनांक 19.3.25 को 12.30 बजे को खोली जावेगी। निविदा की शर्तें यथावत रहेगी।

UBN No. PHE2425WSLB10414, PHE2425WSLB10417, PHE2425WSLB10418

(रघुवीर सिंह गुर्जर)
अधिशाषी अभियन्ता
डीआईपीआर/सी/3691/25 जन स्वा. अभि.विभाग खण्ड कांमा

आज का दिन

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 18 मार्च, सन् 2025 ईस्वी। वार- मंगलवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-शिशिर

सम्पादकीय

निर्वासन की मजबूरी

अमेरिका में कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय मूल की पीएचडी स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन का एफ-1 वीजा रद्द होने की वजह से निर्वासन पर मजबूर होना पड़ा, जो दुखद है। उनका वीजा कथित तौर पर यूनिवर्सिटी कैंपस में फलस्तीन के समर्थन में हुए प्रदर्शन में शामिल होने की वजह से रद्द किया गया था। अमेरिकी होमलैंड सिक्यॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से कहा गया कि अमेरिका में रहने और पढ़ने के लिए जिन लोगों को वीजा मिलता है, यह उनके लिए सम्मान की बात होनी चाहिए। उसने यह भी कहा कि इस तरह का वीजा जिन लोगों को मिला है, अगर वे हिंसा और आतंकवाद की तरफदारी करते हैं तो उनसे यह सम्मान वापस ले लिया जाना चाहिए। लेकिन क्या रंजनी ने हिंसा और आतंकवाद का समर्थन किया था? अगर हां तो ट्रंप प्रशासन ने इसके सबूत क्यों नहीं दिए। फलस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करना नहीं माना जा सकता। दुनिया के ज्यादातर मुल्क फलस्तीन-इस्राइल संघर्ष में 'टू स्टेट थिअरी' की वकालत करते हैं। उनमें भारत भी शामिल है। इस थिअरी के मुताबिक, फलस्तीन और इस्राइल दोनों को अपना अस्तित्व बनाए रखने का अधिकार है। इस संघर्ष की सचाई यह है कि इस्राइल ने फलस्तीन के बड़े इलाके पर कब्जा किया हुआ है और हमास के उसके क्षेत्र में आतंकवादी हमला करने और इस्राइलियों को बंधक बनाए जाने के बाद बिन्यामिन नेतन्याहू सरकार गाजा में सैन्य अभियान चला रही है, जिसमें बड़ी संख्या में फलस्तीनी मारे गए हैं और वहां एक मानवीय संकट भी खड़ा हो गया है। नेतन्याहू पर युद्ध अपराधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने वॉरंट जारी किया हुआ है. जबकि इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का गाजा को 'रिवेरा' बनाने का हास्यास्पद प्रस्ताव आ चुका है। खैर, रंजनी के मामले में ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि उनका वीजा राष्ट्रीय सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए रद्द किया गया। ट्रंप के गाजा पर दिए गए प्रस्ताव की तरह ही यह भी हास्यास्पद है। आखिर एक स्टूडेंट से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को क्या खतरा हो सकता है? ट्रंप सरकार को याद रखना चाहिए कि रंजनी जैसे उच्च शिक्षित स्टूडेंट्स ने अमेरिका के विकास में सराहनीय योगदान दिया है। वे कई शीर्ष अमेरिकी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। रंजनी का निर्वासन उस लोकतंत्र की भावना के भी खिलाफ है, जिसके केंद्र में अभिव्यक्ति की आजादी रहा है और अमेरिका को वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक भी माना जाता रहा है।

फलस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करना नहीं माना जा सकता। दुनिया के ज्यादातर मुल्क फलस्तीन-इस्राइल संघर्ष में 'टू स्टेट थिअरी' की वकालत करते हैं। उनमें भारत भी शामिल है।

विदेशी अखबारों से

ट्रेन अपहरण के बाद अब बलूच लिबरेशन आर्मी ने सुरक्षा बलों को बनाया निशाना

ट्रेन अपहरण के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अब सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें सात जवानों की मौत हो गयी है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उनके आत्मघाती हमले में 90 सैन्यकर्मी मारे गए हैं। हालांकि, सूत्रों ने अभी तक सात मौतों की पुष्टि की है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी है। इसी के साथ इलाके की निगरानी के लिए ड्रोन लॉन्च किए गए हैं। क्वेटा से ताफ्तान जा रहे अर्धसैनिक फ्रंटियर कॉर्प (एफसी) के काफिले पर हमला नोश्की इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन से काफिले को टक्कर मार दी। बता दें, सुरक्षा बलों के इस काफिले में सात बस और दो वाहन शामिल थे। स्थानीय नोश्की पुलिस थाने के प्रमुख जफरुल्लाह सुमालानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह एक आत्मघाती हमला था। अधिकारी ने कहा, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सुमालानी ने कहा कि हमले की जगह से मिले साक्ष्यों से पता चलता है कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को एफसी काफिले में घुसा दिया। बीएलए की ओर से जारी बयान में कहा गया, बलूच लिबरेशन आर्मी की फिदायी इकाई मजीद ब्रिगेड ने कुछ घंटे पहले नोशकी में आरसीडी हाईवे पर रखशान मिल के पास वीबीआईईडी फिदायी हमले में कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक विस्फोट में पूरी तरह नष्ट हो गई। इसमें कहा गया, हमले के तुरंत बाद, बीएलए के फतेह दस्ते ने आगे बढ़कर एक और बस को पूरी तरह से घेर लिया, व्यवस्थित रूप से उसमें सवार सभी सैन्य कर्मियों को मार गिराया, जिससे दुश्मन के हताहतों की कुल संख्या 90 हो गई।

प्रेरक प्रसंग

राम भजो

कुंदन काका एक फैक्ट्री में पेड़ काटने का काम करते थे. अधिकतर मजदूर उनसे जलते थे। एक दिन एक नौजवान युवक मजदूर सामने आया और बोला- मालिक! आप हमेशा इन्ही काका की तारीफ़ करते हैं। इस पर मालिक बोले अगर ऐसा ही है तो क्यों न कल पेड़ काटने की प्रतियोगिता हो जाए। अगले दिन प्रतियोगिता शुरू हुई। मजदूर बाकी दिनों की तुलना में जल्दी-जल्दी हाथ चला रहे थे। सबने देखा कि शुरू के आधा दिन बीतने तक काका ने 4-5 ही पेड़ काटे थे। ऊपर से रोज की तरह वे अपने समय पर एक कमरे में चले गए जहां वो रोज आराम करने जाया करते थे। अब मालिक ने पेड़ों की गिनती शुरू की। बाकी मजदूर तो कुछ ख़ास नहीं कर पाए। उन्होंने 11 पेड़ काटे। अब काका के काटे पेड़ों की गिनती होने लगी तो आखिरी पेड़ बारहवां था। तभी हारे हुए मजदूर ने पूछा- काका, मैं अपनी हार मानता हूँ। लेकिन यह तो बताइये कि आप में ताकत भी कम है और ऊपर से आप काम के बीच आधे घंटे विश्राम भी करते हैं, फिर भी आप सबसे अधिक पेड़ कैसे काट लेते हैं? इस पर काका बोले- बेटा सीधा सा कारण है। जब मैं विश्राम करने जाता हूं तो उस दौरान कुल्हाड़ी की धार तेज कर लेता हूं, जिससे बाकी समय में मैं कम मेहनत के साथ तुम लोगों से अधिक पेड़ काट पाता हूं। सभी मजदूर आश्चर्य में थे कि सिर्फ थोड़ी देर धार तेज करने से कितना फर्क पड़ जाता है।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अत: अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टत: दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुन: वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंतत: इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धियां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है।

भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंतत: भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है।

मुस्लिम के बिना भारत की राजनीति नहीं चल सकती

शकील अख्तर

मुसलमान बीच में से हट जाए तो दलित पिछड़ों का जीना मुश्किल है! यह कर्नाटक सरकार का फैसला मूलतः अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ों को बड़े ताकतवर समुदायों के ठेकेदारों के मुकाबले थोड़ा सा सशक्त करने के लिए है। लेकिन अन्य पिछड़ों में मुसलमान भी आते हैं इसलिए इसे विवाद का विषय बना दिया गया। मुस्लिम बीजेपी के लिए एक ऐसी चीज हैं जिसके बिना उसकी राजनीति नहीं हो सकती। एक किस्सा सुनाते हैं आपको। 2004 में जब अटलबिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन गए और सब बधाइयां वधाइयां हो गईं। केवल अडावानी और वाजपेयी बचे। तो वाजपेयी जी ने कहा कि कहिए आडवानी जी अब मुसलमानों को कहां फेंक आएं अरब सागर में या आपके हिन्दू नाम वाले प्रशांत महासागर में? आडवानी जी घबराए! बोले नहीं नहीं!

बीजेपी मुसलमानों को जीने नहीं देगी। और विपक्ष उसे मरने नहीं देगा! कल्पना कीजिए बिना मुसलमान के भारत में राजनीति कैसी होगी? सारी शामत दलित, पिछड़ा, आदिवासी, महिलाओं की आ जाएगी। मुसलमान इनके और बीजेपी के बीच में एक दीवार है। अगर दीवार हट गई तो मनुवाद के हमले दलित पिछड़ा झेल नहीं पाएगा। कर्नाटक की केबिनेट ने एससी, एसटी, अन्य पिछड़े, सभी अल्पसंख्यक के लिए एक करोड़ तक की सरकारी खरीद में केवल पांच प्रतिशत के आरक्षण का प्रस्ताव पारित किया है। मगर बीजेपी ने हंगामा मचा दिया। उसे मनचाही मुराद मिल गई। अभी कहीं लागू नहीं हुआ। लेकिन देश भर के मीडिया में यही खबर चल रही है। केवल पांच प्रतिशत के इस ग्रूप में मुसलमान कितना फायदा उठा लेंगे किसी को नहीं मालूम। मगर बीजेपी इस तरह बोल रही है, मीडिया इस तरह चला रहा है जैसे मुसलमानों को कोई बहुत बड़ा लाभ मिलने जा रहा हो। कर्नाटक सरकार ने कोई नया काम नहीं किया है। करीब 25 साल पहले मध्य प्रदेश में दलित अजेंडा लेकर आने वाले उस समय के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दलितों के लिए सरकारी खरीद में 30 प्रतिशत आरक्षण किया था। उसका इतना विरोध हुआ कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर जाना पड़ा। इससे आप समझ सकते हैं कि दलित, पिछड़ों, आदिवासियों के लिए अगर कुछ वास्तविक काम किया जाता है तो उसका क्या राजनीतिक परिणाम होता है। उस दलित अजेंडे के बाद ही आए 2003 के विधानसभा चुनाव में जो कांग्रेस हारी तो अभी तक मध्यप्रदेश में वापस नहीं आ पाई है। वह 2018 में कुछ समय के लिए आई कमलनाथ सरकार का कोई मायने नहीं है। वह चार दिन की चांदनी वह भी कमलनाथ और उनके कुछ खास लोगों के लिए रही बाकी पूरी मध्यप्रदेश कांग्रेस के लिए अधेंरी रात 2003 से ही जारी है। मुसलमान बीच में से हट जाए तो दलित पिछड़ों का जीना मुश्किल है! यह कर्नाटक सरकार का फैसला मूलत: अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ों को बड़े ताकतवर समुदायों के ठेकेदारों के मुकाबले थोड़ा सा सशक्त करने के लिए है। लेकिन अन्य पिछड़ों में मुसलमान भी आते हैं इसलिए इसे विवाद का विषय बना दिया गया। मुस्लिम बीजेपी के लिए एक ऐसी चीज हैं जिसके बिना उसकी राजनीति नहीं हो सकती। एक किस्सा सुनाते हैं आपको। 2004 में जब अटलबिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन गए और सब बधाइयां वधाइयां हो गईं। केवल अडावानी और वाजपेयी बचे। तो वाजपेयी जी ने कहा कि कहिए आडवानी जी अब मुसलमानों को कहां फेंक आएं अरब सागर में या आपके हिन्दू नाम वाले प्रशांत महासागर में? आडवानी जी घबराए! बोले नहीं नहीं! फिर मेरी राजनीति का क्या होगा? हालांकि राजनीति फिर भी नहीं चली। प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। और बड़े बेआबरू होकर बाकी जिन्दगी बिताना पड़ रही है। अभी होली के ठीक बाद भाजपा का एक बड़ा अफ्तार प्रोग्राम हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहली बार किसी सार्वजनिक प्रोग्राम में दिखीं। कांग्रेस से और दूसरे विपक्षी दलों से तो यह हमेशा कहते रहते हैं कि अफ्तार में जाते हो हिन्दुओं के कार्यक्रमों में नहीं जाते। लेकिन खुद कोई होली मिलन का बड़ा कार्यक्रम करने के बदले रोजा अफ्तार में सारे बड़े नेता भाजपा के, केन्द्रीय मंत्री पहुंचे। कोई बुरी बात नहीं है। खुद वाजपेयी जी रोजा अफ्तार करते थे। सफेद नमाजी टोपी लगाते थे। लेकिन सोनिया गांधी के करने पर हमेशा सवाल उठाए। अब सोनिया गांधी ने बंद भी कर दिया। हम तो हमेशा से इन राजनीतिक रोजा अफ्तार के विरोध में लिखते रहे। इसका आम मुसलमानों को कोई फायदा नहीं। मगर निशाने पर उन्हीं को लिया जाता है। सवाल उन्हीं से होते हैं। आज जो गोदी मीडिया के बड़े-बड़े धुरंधर हैं उनमें से किसी को अहमद पटेल, गुलामनबी आजाद, सलमान खुर्शीद से यह सवाल पूछते नहीं देखा कि रोजा अफ्तार क्यों? हां, गरीब मुसलमानों की बस्ती में यह सवाल जरूर पूछवाते हैं। अब दिल्ली की भाजपा की मुख्यमंत्री से पूछने की हिम्मत भी किसी ने नहीं दिखाई। मीडिया का एक और बड़ा रूप है। होली दीवाली पर कभी-किसी गोदी मीडिया के एंकर पत्रकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि बिना बुलाए प्रधानमंत्री मोदी के या बीजेपी के किसी बड़े नेता के यहां पहुंच जाएं। मगर कांग्रेस के मुसलमान नेताओं के यहां पहुंच जाते हैं। उनके या उनकी नेता सोनिया के रोजा अफ्तार की आलोचना भी करते हैं और ईद पर तो खिलाना ही पड़ेगा के अधिकार के साथ भी पहुंच जाते हैं।

एक मुस्लिम ग्रंथी जो बीजेपी संघ ने पैदा की। वह भाजपा और संघ के लोगों से ज्यादा मीडिया में है और जितना मुस्लिम विरोध की भावना उनमें है उससे कई गुना ज्यादा दलित पिछड़े, आदिवासी के लिए है। राहुल का यह सवाल सही है जो वे कई बार प्रेस कान्फ्रेंस में भी पूछ चुके हैं कि यहां मौजूद पत्रकारों में दलित पिछड़े कितने हैं? हालांकि वे खुद इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि उनके अखबारों जिनमें तो सारी भर्ती ही नई की गई है कितने दलित पिछड़े हैं? कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड, नवजीवन, कौमी आवाज पहले भी बंद इसीलिए हुए कि वह पूरे संघियों के हाथों में चले गए थे।

इतनी ओवर भर्तियां हो गईं थी कि तनखा देना मुश्किल हो गया था। कई रिटायर्ड अफसर हैं। आईएएस आईपीएस। पूरे संघी हो गए हैं। कुछ डबल इंजन की सरकारों में मिला भी हुआ है। राहुल का मजाक उड़ाना तो पहला काम है। मगर कभी-कभी यह बताने के लिए हम भी कभी लिखते थे। अपनी पुरानी कटिंग्स सोशल मीडिया पर डालते हैं। मिलने पर दिखाते भी हैं। नेशनल हेराल्ड में छपे लेख। हम कहते हैं आर्गनाइजर (संघ का मुखपत्र) में क्यों नहीं लिखते थे? कहते हैं वह कोई अखबार है? फिर आज टेबल पर यह क्यों रखा है? हें.. हें .. हें! नेशनल हेराल्ड क्यों नहीं? वह अब कोई अखबार बचा है? कांग्रेस के नेता तक नहीं पढ़ते। अभी हमें पिछले हफ्ते के नेशनल हेराल्ड और नवजीवन के पहले पेजों के फोटो किसी ने भेजे थे। बाद में अखबार भी। पहले पेज पर टाप पर करीब 6 -6 कालमों में मोदी जी के फोटो लगे थे। क्यों इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नई भर्तियों की बात आई तो याद आया कि पहले लोकसभा चैनल और फिर राज्यसभा चैनल कांग्रेस के राज में ही शुरू हुए। और सब नई भर्तियां ही हुईं। खूब संघ के लोगों ने अपने लोगों को भर्ती कराया। बहुत बड़े पदों पर रहने वाले भी अपनी सफाई में यह लिखते रहते हैं कि हम कांग्रेसी नहीं।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

लव की इमोजी...

देसी ठाठ के व्यक्ति हैं वह-मिस्टर देसी कह सकते हैं उन्हे। फेसबुक, व्हाट्असअप शिष्टाचार से वाकिफ नहीं हैं। उनके एक कमेंट पर एक महिला मित्र ने एक इमोजी भेजा, जिसमें इमोजी में मानव-आकृति की एक आंख दबी हुई थी। इमोजी शरारत के भाव को संप्रेषित कर रही थी। मिस्टर देसी इसे दिल पर ले गये और बताने लगे कि फलां ने उन्हे आंख मारी है। उनका अंदाज कुछ कुछ उस लफंगे छोकरे का सा था, जो अपनी प्रेमिका के खत पूरे मुहल्ले के लफंडरों को पढ़वाता है। मैंने निवेदन किया-इस तरह से नहीं समझते इमोजी को। यह सिर्फ शरारत का भाव है। आपने कोई चुटीली बात कह दी होगी, तो बदले में उन्होने इस तरह का इमोजी भेज दिया होगा। आपके प्रति आंख मारने का भाव न रहा होगा। आप यूं ना कीजियेगा कि सचमुच आमने सामने वन टू वन उन्हे आंख मारने चले जायें। आनलाइन शिष्टाचार अलग होते हैं। आपकी किसी बात को कोई पसंद कर ले, तो दिल के आकार के उछलते हुए मैसेज भी आ सकते हैं। पर इसका मतलब यह नहीं है सामनेवाली पार्टी ने आपको दिल दे दिया है। सामनेवाली पार्टी इमोजी के जरिये इस तरह से दिलों की सप्लाई दिन में कई बार कईयों को कर सकती है। इस तरह से दिल को दिल पे नहीं लेने का।

मुझे लगा जैसे मैंने मिस्टर देसी का दिल तोड़ दिया। दिल कई बार गलतफहमियों पर खुश होता है। कई बार क्या, लगभग हर बार गलतफहमियां ही बंदे को खुश रखती हैं। सच्चाई तो कतई दिल-तोड़क होती है। कई मित्र ऐसे माहौल में पले बढ़े हैं, जहां किसी महिला का मुस्कुराकर देखना तो बहुत दूर की बात, कोई महिला देख भी ले, तो लगता था कि इसका जवाब सिर्फ आई लव यू होना चाहिए। अब ऐसे मित्रों को किसी महिला से हंसती हुई इमोजी मिल जाये, जाने कैसी कैसी उम्मीदें लगाने लगते हैं। आनलाइन आदाब की कोई मार्गदर्शिका हो ,तो बेहतर है। कुछ गाइडलाइन्स बन जायें, तो बेहतर है। क्या का क्या समझ लिया जाता है। जाने कैसी कैसी गलतफहमियां हो जाती हैं। टेकनोलोजी बहुत आगे बढ़ गयी है। सोच ना बढ़ पायी है। सत्तरवीं शताब्दी की सोच से 21 शताब्दी की टेक्नोलोजी हैंडल करने के खतरे हैं। और ऐसे भी कहीं हैं, जिनकी वित्तीय हैसियत 22 वीं शताब्दी की टेक्नोलोजी से डील करने की है, पर उनकी मानसिकता क्षमता आदिमानवों वाली है। नयी तकनीक कई मामले में बहुत खतरनाक है। उन्हे समझना कई बार आसान नहीं होता। एक साथी किसी संघर्ष में जुटे हुए थे। मैंने उनके साथ अपनी सहानुभूति दिखाने के लिए एक इमोजी को भेजा, जिसमें दो पुरुष एक साथ हाथ में हाथ डाले खड़े थे। बाद में उस मित्र का मैसेज आया - दोनों पुरुष गुलाबी रंग की शर्ट पहने खड़े हैं इमोजी में। इसका मतलब बहुत खतरनाक है।

राजस्थान में 73% ग्रामीण महिला उद्यमी अपनी मासिक आय का एक हिस्सा लगातार बचाती हैं: हक़दर्शक और डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा सर्वेक्षण

जयपुर। डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर भारत के गांवों में महिला उद्यमियों की अभिलाषाओं, चुनौतियों और वित्तीय व्यवहार पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट, 2025 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले जारी की गई है, और यह 2024 में डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा शुरू किए गए 'वुमन एंड फाइनेंस' (WAF) अध्ययन पर आधारित है। इसमें तीन रिपोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और फाइनेंस को लेकर उनके नजरिये से संबंधित अनोखी जानकारी देती है।

पहले दो रिपोर्ट्स में शहरी भारत की महिलाओं के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसमें उनकी बचत और निवेश की आदतों, कॅरियर की पसंद और नौकरी में उन्हें आने वाली चुनौतियों पर फोकस किया गया था। तीसरी रिपोर्ट भारतीय महानगरों में महिला उद्यमियों पर केंद्रित थी, जिसमें उन मुख्य क्षेत्रों की पहचान की गई थी जहां उन्हें व्यापार को सक्षम बनाने के लिए समर्थन और अवसरों की आवश्यकता होती है।

हकदर्शक द्वारा किये गये वर्तमान अध्ययन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के ग्रामीण जिलों में 411 महिला उद्यमियों का सर्वे किया गया, जिनमें से 402 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्य थीं। इसे पांच फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) से प्राप्त गुणात्मक जानकारी से सपोर्ट मिला, और इससे उनके अनुभवों समझने में काफी मदद मिली।

वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया- सर्वे में पता चला है कि गांवों में रहने वाली महिला उद्यमियों के व्यवहार में काफी बदलाव हो रहा है और वे वित्तीय स्वतंत्रता का रुख कर रही हैं। 18% महिलाएं अकेले, जबकि 47% अपने पति के साथ मिलकर वित्तीय निर्णय लेती हैं। 24% ने कहा कि उनके पति ही सारे वित्तीय निर्णय लेते हैं, और बाकी 11% अपने परिवार के सदस्यों से सलाह लेती हैं। यह दिखाता है कि प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी पारंपरिक नियम बने हुए हैं।

समझदारी भरी बचत की आदतें- लगभग 90% महिलाएं अपनी आय का कुछ हिस्सा जरूर बचाती हैं। इनमें से 57% अपनी मासिक आय का 20% से कम बचाती हैं, जबकि 33त्न महिलाएं 20% से 50% के बीच बचाती हैं। 5% अपनी आय का 50% से ज्यादा बचाती हैं, जबकि बाकी महिलाओं को यह नहीं पता कि वे कितना बचाती हैं, इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़ी जानकारियां देने और योजना बनाने की जरूरत का पता चलता है। बचत करने वालों में से, 56% बैंक में जमा करते हैं, 39% स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की बचत योजनाओं में भाग लेते हैं, और 18त्न बिना निवेश किए अपने पास कैश रखते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी), और सोने में निवेश ज्यादा कॉमन नहीं है, केवल 11% और 5% महिलाएं इन तरीकों को चुनती हैं। लगभग 64% महिलाएं अपने व्यवसाय के मुनाफे को फिर से अपने व्यवसाय में लगाती हैं, जो व्यवसाय के विस्तार और विकास की ओर मजबूत रुझान दिखाता है।

बैंकिंग प्राथमिकताएं- सर्वे में शामिल ग्रामीण महिला उद्यमी बैंकिंग के पारंपरिक तरीकों को पसंद करती हैं। 89% महिलाएं आमने-सामने बैंकिंग को पसंद करती हैं, जो डिजिटल सेवाओं की बढ़ती उपलब्धता के बावजूद पारंपरिक चैनलों पर उनकी निर्भरता को दर्शाता है। 99% महिलाओं के पास बैंक खाता होने के बावजूद, केवल 38त्न अपने व्यवसाय के लिए डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करती हैं। इन डिजिटल उपयोगकर्ताओं में से, 70% केवल यूपीआई का उपयोग करती हैं, 20% यूपीआई के साथ मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करती हैं, और 10% केवल मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग या अन्य डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करती हैं। ये आंकड़ें डिजिटल वित्तीय जानकारी और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का एक बड़ा अवसर दिखाते हैं, जिससे ग्रामीण उद्यमी डिजिटल बैंकिंग के लाभों का पूरी तरह से उपयोग कर सकें।

ऋण की सुविधाओं तक पहुंच- सर्वे के अनुसार, 36% ग्रामीण महिला उद्यमियों ने अपनी निजी बचत से बिजनेस शुरू किया, जबकि 25% ने लोन पर भरोसा किया। इसके अलावा, 29% ने अपनी बचत को लोन के साथ मिलाकर या परिवार और दोस्तों से उधार लेकर, औपचारिक और अनौपचारिक दोनों वित्तीय स्रोतों का उपयोग किया। विशेष रूप से, इनमें से 9% महिलाओं के लिए, परिवार और दोस्त फंडिंग का प्राथमिक स्रोत थे, जो छोटे व्यवसायों का समर्थन करने में सोशल नेटवर्क की भूमिका पर जोर देते हैं।

लगभग 80% ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और/या दूसरी लेंडिंग चैनलों के संयोजन के माध्यम से धन प्राप्त किया, जबकि 43% केवल एसएचजी से लोन पर निर्भर थे। 15% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने सरकारी ऋण योजनाओं का उपयोग किया है। ये निष्कर्ष ग्रामीण महिला उद्यमियों के बीच इन योजनाओं की पहुंच और जागरूकता को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।

विकास की आकांक्षाएं- अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए, ग्रामीण उद्यमी उद्योग और सरकार (72%) से समर्थन, डिजिटलीकरण में सहायता (39%), व्यावसायिक मार्गदर्शन (35%) और नेटवर्किंग के अवसरों (32%) की तलाश करती हैं। फोकस समूहों ने उत्तरदाताओं के बीच सामुदायिक विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का खुलासा किया, जिन्होंने अपने गांवों में अन्य महिलाओं के लिए नौकरियां पैदा करने की आकांक्षा व्यक्त की।

डीबीएस बैंक इंडिया के ग्रुप स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और हेड अज़मत हबीबुल्ला ने कहा, 2024 के विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, ग्रामीण भारत में महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों में 22 से 27 मिलियन लोग काम करते हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। इन उद्यमियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को समझना और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सहायता की पहचान करना आवश्यक है। 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ में हमारी नई रिपोर्ट महिला उद्यमिता में तेजी लाने और विकास की बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अहम सूचना प्रदान करती है। हमें हकदर्शक के सहयोग से इस रिपोर्ट को लॉन्च करने पर गर्व है। यह उद्देश्य से चलने वाला एक संगठन है जो इस क्षेत्र के लिए सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सभी की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाता है।

हकदर्शक के को-फाउंडर और सीईओ अनिकेत डोएगर ने कहा कि हकदर्शक में, हम ग्रामीण महिला उद्यमियों के साथ मिलकर काम करते हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हम सिर्फ उन्हें वित्तीय सेवाओं और योजनाओं तक पहुंचने में मदद नहीं करते, बल्कि उनकी वित्तीय समझ, कौशल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। इन मुश्किलों को समझते हुए, हमने डीबीएस बैंक इंडिया के साथ मिलकर 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ के तहत इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। हमारा मकसद महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना और जानकारी की कमी को दूर करने वाले समाधान बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिले, जिससे एक बेहतर अर्थव्यवस्था बन सके।

डीबीएस फाउंडेशन (डीबीएसएफ) ने समय-समय पर हकदर्शक की मदद की है। 2018 में, डीबीएसएफ ने हकदर्शक को 'डीबीएसएफ बिजनेस फॉर इम्पैक्ट ग्रांट' दिया और 2020 में, 'डीबीएसएफ बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन इम्प्रूवमेंट ग्रांट' दिया गया। 2023 में, हकदर्शक भारत में डीबीएसएफ का कार्यक्रम भागीदार बना। उन्होंने कमजोर समुदायों के लोगों में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने का काम किया, जिससे अब तक पूरे देश में 206,400 से अधिक लोगों को फायदा हुआ है।

फरवरी 2025 में, डीबीएस फाउंडेशन ने ग्रामीण भारत पर फोकस करते हुए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए हकदर्शक के साथ एक नया कार्यक्रम शुरू किया। 5.1 मिलियन सिंगापुर डॉलर के वित्त पोषण के साथ, इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में 50,000 नैनो उद्यमियों सहित 500,000 लाभार्थियों के लिए वित्तीय लचीलेपन और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करना है।

क्लब महिंद्रा जंजैहली में हिमाचल की अछूती खूबसूरती का आनंद लें

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की शांतिपूर्ण जंजैहली घाटी में बसा क्लब महिंद्रा जंजैहली रिज़ॉर्ट, मंडी में आपको मिलता है सुकून, रोमांच और सांस्कृतिक आकर्षण का एक ऐसा अनूठा मेल, जो बरसों-बरस याद रहता है। बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे-भरे सेब के बागों और सुंदर दृश्यों से घिरा यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और शांति की तलाश करने वालों के लिए एक आदर्श स्थान है। यह रिज़ॉर्ट सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है और शिमला, मंडी, मनाली और चंडीगढ़ से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है।

सबसे छोटा मार्ग चंडीगढ़-मनाली हाईवे के माध्यम से है, जहाँ से ददौर चौक पर सड़क जंजैहली की ओर मुड़ती है। क्लब महिंद्रा जंजैहली 1.7 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें 24 सुंदर कमरे हैं, जिनमें स्टूडियो रूम, एक एक-बेडरूम यूनिट, एक दो-बेडरूम यूनिट और तीन कॉटेज ब्लॉक शामिल हैं। लकड़ी की पारंपरिक वास्तुकला से बनाए गए ये कमरे प्राकृतिक इन्सुलेशन प्रदान करते हैं, जो सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडक बनाए रखते हैं। मेहमान सुबह उठते ही पहाड़ों और रिज़ॉर्ट के भीतर बहती छोटी नदी की मनमोहक दृश्यावली का आनंद लेते हैं। रिज़ॉर्ट तक पहुँचने के लिए एक पुल को पार करना पड़ता है, जो दृश्य अनुभव को और भी सुंदर बनाता है। कमरों की बालकनी से शानदार दृश्य दिखाई देते हैं और यहाँ आगमन पर मेहमानों का आरती, तिलक और गरम सेब पेय के साथ स्वागत किया जाता है।

आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रखने वालों के लिए यहाँ प्रसिद्ध शिकारी माता मंदिर है। इस मंदिर की यात्रा अवश्य करें। यहाँ से हिमाचल के अद्भुत परिदृश्य के व्यापक दृश्य दिखाई देते हैं, जो यात्रा को दिव्य और मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

क्लब महिंद्रा के विभिन्न हिमाचली स्थलों की यात्रा करते हुए, चंडीगढ़ हवाई अड्डे से कंडाघाट, नालदेहरा, जंजैहली और अंत में मनाली की सुंदर यात्रा का आनंद लिया जा सकता है। हर स्थान अपनी अनूठी खूबसूरती और विशिष्टता प्रदान करता है। दिसंबर से मार्च के बीच, जंजैहली बर्फीले परिदृश्य में बदल जाता है, जहाँ मेहमान बर्फीली गतिविधियों, ट्रेकिंग और डे-कैंपिंग का आनंद ले सकते हैं।

रिज़ॉर्ट के मल्टी-कुजिन रेस्टोरेंट में 44 मेहमानों के लिए इनडोर और आउटडोर भोजन की सुविधा है। मेनू में पारंपरिक हिमाचली व्यंजनों का एक शानदार चयन है, जिसमें सिड्डू, बबरू - काले चने के पेस्ट से भरी और पूरी तरह से तली हुई कचौरी का हिमाचली संस्करण - चना मदरा, सेपू बड़ी, बूंदी का मीठा, कद्दू का खट्टा, माह की दाल, मदरा, कढ़ी, खट्टे चन्ने और झोल कुल्लू ट्राउट, एक ताजा ट्राउट जिसे स्थानीय मसालों के साथ मैरीनेट किया गया है और पूरी तरह से ग्रिल किया गया है।

इसके अलावा, मेहमान प्रसिद्ध मंडियाली धाम का आनंद ले सकते हैं, जो विशेष अवसरों पर परोसा जाने वाला पारंपरिक भोज है। मेहमान अलाव क्षेत्र के पास लाइव बारबेक्यू सेशन का भी आनंद ले सकते हैं, जो खाने के शानदार अनुभव को और भी बढ़ा देता है।

इसके अलावा, पुल पर हाई टी भी परोसी जाती है, जो मेहमानों के लिए एक शानदार नज़ारा पेश करती है, साथ ही पारंपरिक हिमाचली नाटी नृत्य और स्थानीय प्रदर्शन भी होते हैं।

रिज़ॉर्ट में एक बैंक्वेट हॉल भी है, जिसमें 100 लोग समा सकते हैं, जो समारोहों के लिए आदर्श स्थान है। हैप्पी हब गतिविधि केंद्र में स्नूकर, बोर्ड गेम्स, ड्राइंग क्लास और एयर हॉकी जैसे इनडोर खेल उपलब्ध हैं। बाहरी गतिविधियों में साइक्लिंग, एयर गन शूटिंग, तीरंदाजी, ट्रेकिंग, गाँव भ्रमण और पक्षी देखने का आनंद लिया जा सकता है। नजदीकी आकर्षणों में कामरूनाग मंदिर, पराशर और रिवालसर झील, जलोरी दर्रा और प्रसिद्ध भगवान शिव मंदिर (बुद्ध केदार) शामिल हैं। इसके अलावा, महाभारत युग से जुड़ी ऐतिहासिक पांडव शिला भी दर्शनीय है। गाँव भ्रमण स्थानीय जीवनशैली का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करता है, जिसमें गाँववासियों के साथ संवाद, पशुपालन की जानकारी और मौसमी रूप से सामान के भंडारण के तरीके देखने का अवसर मिलता है। रोमांच प्रेमियों के लिए, रिज़ॉर्ट पूर्ण-दिवसीय ट्रेक्स के साथ टेंट में रहने का अनुभव प्रदान करता है, जो प्रियजनों के साथ रोमांचक छुट्टी के लिए एक आदर्श विकल्प है। अन्य ट्रेकिंग विकल्पों में बुद्ध केदार, तुंगासी किला और शत्ताधार हिल मंदिर शामिल हैं।

सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, क्लब महिंद्रा जंजैहली पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं का पालन करता है।

रिज़ॉर्ट एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करता है और ऊर्जा दक्ष समाधानों को अपनाता है, जिसमें ऊर्जा संरक्षण के लिए पराबैंगनी प्रकाश आधारित थर्मोडायनामिक तकनीक शामिल है। आकर्षक परिदृश्य, रोचक गतिविधियाँ और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, क्लब महिंद्रा जंजैहली हिमाचल प्रदेश के हृदय में छुट्टियाँ बिताने का एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर जारी की महिला उद्यमियों पर रिपोर्ट

जयपुर। डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर भारत के गांवों में महिला उद्यमियों की अभिलाषाओं, चुनौतियों और वित्तीय व्यवहार पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट 2024 में डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा शुरू किए गए 'वुमन एंड फाइनेंस' अध्ययन पर आधारित है। इसमें तीन रिपोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और फाइनेंस को लेकर उनके नजरिये से संबंधित अनोखी जानकारी देती है।

डीबीएस बैंक इंडिया के ग्रुप स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और हेड अज़मत हबीबुल्ला ने कहा, 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ में हमारी नई रिपोर्ट महिला उद्यमिता में तेजी लाने और विकास की बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अहम सूचना प्रदान करती है। हकदर्शक के को-फाउंडर और सीईओ अनिकेत डोएगर ने कहा कि हमारा मकसद महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना और जानकारी की कमी को दूर करने वाले समाधान बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिले, जिससे एक बेहतर अर्थव्यवस्था बन सके।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स पेश करने जा रहा है एक अनोखा अभियान 'साउंड ऑफ कलर'

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स कंपनी और जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, 'साउंड ऑफ कलर' नामक एक अनोखा अभियान पेश करने जा रहा है। अपनी तरह के इस अनूठे और नवीन अभियान में संगीत और दृश्य कहानी का एक ऐसा अनोखा संयोजन पेश करते हैं, जहाँ रंग ध्वनि को प्रेरित करते हैं।

इस अभियान में एक-एक मिनट के संगीत वीडियो शामिल हैं, जिसमें प्रत्येक ट्रैक जेएसडब्ल्यू पेंट्स के पोर्टफोलियो में मौजूद एक विशिष्ट रंग का सार प्रस्तुत करता है। 'साउंड ऑफ कलर' अभियान के प्रत्येक ट्रैक को समकालीन स्वतंत्र कलाकारों द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, ताकि एक विशेष रंग से संबंधित भावनाओं को जागृत किया जा सके। यह पहली बार है कि जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने सोंगड्यू के साथ मिलकर यह अनूठा अभियान शुरू किया है, जो स्वतंत्र कलाकारों के लिए भारत का प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म है। अभियान पर टिप्पणी करते हुए जेएसडब्ल्यू पेंट्स के जाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, ए एस सुंदरसन ने कहा- देखा जाए तो 'साउंड ऑफ कलर' एक नया और रचनात्मक दृष्टिकोण है, जिसमें हम रंगों को अनुभव करने का नया तरीका प्रस्तुत करते हैं। यह संगीत के माध्यम से रंगों का अनुभव करने के बारे में है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के चीफ़ बिजनेस ऑफिसर, आशीष राय ने कहा कि जेएसडब्ल्यू पेंट्स में हमारा मानना है कि रंग सिर्फ एक दृश्य तत्व नहीं है - यह भावना, रचनात्मकता और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति है।

इस अभूतपूर्व पहल के माध्यम से, हम स्वतंत्र कलाकारों के साथ मिलकर रंगों की जीवंतता को संगीत की भावनात्मक शक्ति के साथ जोड़ रहे हैं।

एयर इंडिया ने शुरू किया प्रीमियम इकोनॉमी क्लास, किराया इकोनॉमी से मात्र 599 रुपये अधिक

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत की प्रमुख ग्लोबल एयरलाइन, एयर इंडिया ने पिछले तीन वर्षों में प्रीमियम सीट की बिक्री में दोगुनी वृद्धि के कारण अपनी प्रीमियम इकोनॉमी क्लास की पेशकश का विस्तार किया है। प्रीमियम यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, एयर इंडिया ने सीमित अवधि के लिए घरेलू उड़ानों पर स्टैंडर्ड इकोनॉमी किराए से 599 रुपये अधिक से शुरू होने वाले प्रीमियम इकोनॉमी किराए की पेशकश की है, जो मार्ग और मांग के अनुसार अलग-अलग कीमतों के साथ किफायती अपग्रेड की पेशकश करता है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है।

एयर इंडिया की प्रीमियम इकॉनमी पहले से कहीं ज़्यादा घरेलू मार्गों पर उपलब्ध है- भारत की एकमात्र एयरलाइन के रूप में, जो बिज़नेस और इकॉनमी क्लास के साथ प्रीमियम इकॉनमी की पेशकश करती है, एयर इंडिया 39 घरेलू मार्गों पर यह विकल्प प्रदान करती है, जिसमें साप्ताहिक 50,000 से ज़्यादा सीटें हैं। इनमें से लगभग 34,000 सीटें प्रमुख मेट्रो-टू-मेट्रो मार्गों पर उपलब्ध हैं। ये हैं -

- दिल्ली-मुंबई
- दिल्ली-बेंगलुरु
- दिल्ली-हैदराबाद
- मुंबई-बेंगलुरु
- मुंबई-हैदराबाद

27 पुराने ,320 को नए तीन-श्रेणी विन्यास के साथ रेट्रोफिट करने के बाद, एयर इंडिया प्रीमियम इकॉनमी सीटों को 30त्न तक बढ़ाएगी, जो साप्ताहिक 65,000 सीटों से ज़्यादा होगी। रेट्रोफिट किए गए विमान में सभी केबिनों में बिल्कुल नई सीटें हैं और यह पूरे भारत में और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक रूट कवरेज का विस्तार करना जारी रखेगा।

- एयर इंडिया ने अपने 27 ,320 विमानों का नवीनीकरण किया है, जिसमें तीन-क्लास कॉन्फ़िगरेशन (इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास) शामिल है।

- नवीनीकरण के बाद प्रीमियम इकोनॉमी सीटों में 30% की वृद्धि होगी, जिससे साप्ताहिक सीटों की संख्या 65,000 से अधिक हो जाएगी।

- इन विमानों में सभी केबिनों में नई सीटें और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध है।

प्रीमियम इकोनॉमी क्लास के फायदे- प्रीमियम इकोनॉमी क्लास खासतौर पर उन यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई है जो किफायती लग्जरी अनुभव की तलाश में हैं। इसमें निम्नलिखित सुविधाएं शामिल हैं-

- **विशेष सीट चयन**- पूरे केबिन में अपनी पसंदीदा सीट चुनने की सुविधा।
- प्राथमिकता चेक-इन, बोर्डिंग और बैगेज हैंडलिंग।
- 32-इंच सीट पिच और 4-इंच रिक्लाइन के साथ अतिरिक्त लेगरूम।
- उत्तम सीट अपहोल्स्ट्री और आरामदायक सीटें।
- प्रीमियम चाइनावेयर में गर्म भोजन सहित एक बेहतर डाइनिंग अनुभव। एयर इंडिया अब अपने पूरे बेड़े में (अपने ए350 और उन्नत बी777 विमानों द्वारा संचालित उड़ानों को छोड़कर) विस्टास्ट्रीम की पेशकश कर रही है, जिसके तहत मेहमानों को उनके व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर नि:शुल्क वायरलेस इनफ्लाइट मनोरंजन की सुविधा दी जा रही है, जिसमें 1,000 घंटे से अधिक की सामग्री से युक्त एक समृद्ध मनोरंजन लाइब्रेरी है।

अंबुजा सीमेंट्स ने चंद्रपुर में बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों से निपटने के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य आंदोलन को आगे बढ़ाया

महाराष्ट्र, एजेंसी। विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स, उच्च रक्तचाप और मधुमेह सहित बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) से निपटने के लिए अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से चंद्रपुर में एक स्वास्थ्य आंदोलन चला रही है।

स्क्रीनिंग, जोखिम आकलन, पोषण जागरूकता और फिटनेस कार्यक्रमों के माध्यम से, इस पहल ने 20 से अधिक गांवों और 11 स्वास्थ्य केंद्रों को प्रभावित किया है, जिसमें सखियों (सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों) और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्थायी व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया गया है।

चंद्रपुर में विनोद थमके, जो कभी अपने उच्च रक्तचाप के जोखिम से अनजान थे, ने सीएसआर टीम की सहायता से अपनी जीवनशैली बदल ली है।

गांव में स्क्रीनिंग कैंप में भाग लेने और व्यक्तिगत परामर्श प्राप्त करने के बाद, वे पैदल चलने वाले समूहों में शामिल हो गए और स्वस्थ खान-पान की आदतें अपना लीं, जिससे उनका रक्तचाप स्थिर हो गया और ऊर्जा का स्तर बेहतर हो गया।

इसी प्रकार के हस्तक्षेपों - जिनमें वार्षिक जांच, रसोई बागवानी कार्यक्रम, खुले में जिम और तंबाकू छोड़ने की पहल शामिल हैं - ने उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में मदद की है, जिससे निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई और निवारक देखभाल सुनिश्चित हुई है।

अंबुजा सीमेंट्स की सीएसआर टीम एनसीडी की रोकथाम और प्रबंधन दोनों को संबोधित करके ग्रामीण महाराष्ट्र में एक स्थायी स्वास्थ्य आंदोलन बना रही है।

स्क्रीनिंग, प्रारंभिक पहचान और जीवनशैली हस्तक्षेप में निरंतर प्रयासों के माध्यम से, कंपनी स्वस्थ समुदायों को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर जीवनशैली संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेमंड लिनन ने आरामदायक गर्मियों के लिए अपना नया लेनिन कैंपेन का किया अनावरण

मुंबई, एजेंसी। गर्मियां नजदीक आने के साथ ही रेमंड लाइफस्टाइल ने रेमंड लिनन के लिए अपना नया कैंपेन शुरू किया है - यह संग्रह गर्मी से राहत के लिए स्टाइल, आराम और शान का जश्न मनाएगा।

भारतीय मेन्सवियर सेगमेंट में लिनन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, ऐसे में रेमंड लिनन प्रीमियम विकल्प के रूप में खड़ा है - जो गुणवत्ता, आराम और परिष्कृत शैली का प्रतीक है।

रेमंड लिनन एक आरामदायक लेकिन परिष्कृत ग्रीष्मकालीन कपड़ों के कलेक्शन के लिए बेंचमार्क स्थापित करता है। सचेत जीवन जीने पर जोर देते हुए, रेमंड उपभोक्ताओं को लिनन की सादगीपूर्ण लग्जरी को अपनाने के लिए आमंत्रित करता है, जहां रोजमर्रा की शान में शैली शांति से मिलती है।

गर्मियों की शानदार पृष्ठभूमि पर आधारित यह डिजिटल कैंपेन, एक ऐसी कहानी के माध्यम से रेमंड लिनन की भावना को जीवंत करता है, जो आज के उपभोक्ताओं के साथ प्रतिध्वनित होती है - साझा क्षणों और रिश्तों के माध्यम से विश्राम, बंधन और आत्म-अभिव्यक्ति की एक स्तुति।

यह कलेक्शन खूबसूरत प्रिंट, सूक्ष्म बनावट और सहज सिल्हूट के साथ गर्मियों की शैली को फिर से परिभाषित करता है।

विज्ञापन फिल्म में दिखाए गए इस रेंज में क्लासिक स्ट्राइप्स, सुखदायक पेस्टल और जटिल पैटर्न हैं, जो हर मूड और अवसर के लिए एकदम सही हैं।

तेज रफ्तार दुनिया में, रेमंड का नवीनतम लिनन संग्रह धीमा होने और प्रकृति के साथ फिर से जुड़ने की कला का जश्न मनाता है।

शांत परिदृश्यों से प्रेरित, अभियान के दृश्य- हरे-भरे जंगल, शांत मछली पकड़ने के दृश्य और शांतिपूर्ण सैर- लिनन के सहज आराम और सांस लेने की क्षमता को उजागर करते हैं। रेमंड लिनन कैंपेन को कई प्लेटफार्मों पर शुरू किया गया है।

मुथूट फाइनेंस का स्वर्ण ऋण एयूएम पहुंचा रु.1 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर

कोच्चि, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण एनबीएफसी, मुथूट फाइनेंस ने 14 मार्च, 2025 तक स्वर्ण ऋण एयूएम (प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति) के लिहाज़ से रु.1 लाख करोड़ के स्तर को पार कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुथूट फाइनेंस इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, स्वर्ण ऋण क्षेत्र में अपना प्रमुख नेतृत्व बनाए हुए है। कंपनी के पास इस उद्योग की अन्य इकाइयों की तुलना में कहीं अधिक बाज़ार हिस्सेदारी है, जिससे इसके उच्च पैमाने और बाज़ार में विश्वसनीयता रेखांकित होती है। यह उपलब्धि स्वर्ण ऋण की मज़बूत मांग के बीच हासिल हुई, क्योंकि फिनटेक लेंडिंग, कोलैटरल के बगैर ऋण (अनसिक्योर्ड लोन) और माइक्रोफाइनेंस सहित अन्य स्रोतों से ऋण उपलब्धता हाल के महीनों में कम हुई है। ग्राहकों के अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए स्वर्ण ऋण का रुख करने के बीच, मुथूट फाइनेंस एक विश्वसनीय और पसंदीदा विकल्प बना हुआ है, जो इस क्षेत्र में इसके नेतृत्व की स्थिति को मज़बूत करता है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक, जॉर्ज अलेक्ज़ेंडर मुथूट ने इस उपलब्धि के बारे में कहा- स्वर्ण ऋण एयूएम का ?1 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंचना नवोन्मेष, ग्राहक पर विशेष ध्यान और वित्तीय समावेश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे ग्राहकों के अटूट विश्वास, हमारे निवेशकों, बैंकिंग भागीदारों तथा नियामकों के समर्थन और हमारे कर्मचारियों के अथक समर्पण के बगैर इस उपलब्धि को हासिल करना संभव नहीं होता। कंपनी ने वित्त वर्ष '25 की तीसरी तिमाही के दौरान साल-दर-साल के आधार पर 33% की बढ़ोतरी के साथ रु.1,363 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि शुद्ध ब्याज आय साल-दर-साल 42.8% बढ़कर ?2,721.4 करोड़ हो गई।

कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने आधुनिक हीट सील टेक्नोलॉजी के साथ हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोस्मो फर्स्ट की 100 फीसदी सब्सिडरी तथा अडहेसिव, मास्टरबैचेज़ एवं कोटिंग सामग्री की रेंज के लिए वन-स्टॉप समाधान कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने अपने आधुनिक कोसील-601 हीट सील कोटिंग सोल्युशन के लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी की हीट सील कोटिंग टेक्नोलॉजी ने मार्केट में शानदार परफोर्मेन्स दिया है और विभिन्न प्रकार के तापमान की रेंज पर उद्योग जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

हाल ही में पेश किए परफोर्मेन्स डेटा के अनुसार कोसील-601 मार्केट में मौजूद अन्य विकल्पों की तुलना में शानदार सीलिंग क्षमता देते हैं, खासतौर पर 120-160 डिग्री सेल्सियस तापमान रेंज में इनका प्रदर्शन बेहतरीन है। इस प्रोडक्ट ने 2-प्लाई और 3-प्लाई एलुमिनियम फोइल लैमिनेटेड संरचनाओं में उत्कृष्ट बहुमुखी प्रदर्शन किया है, ऐसे में ये विभिन्न प्रकार के पैकेजिंग ऐप्लीकेशन्स के लिए अनुकूल हैं। मजबूत वित्तीय प्रदर्शन तथा उत्कृष्ट तकनीकी विनिर्देशनों के साथ अपने आधुनिक दृष्टिकोण के चलते कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने पिछले साल के दौरान सेल्स में 60 फीसदी बढ़ोतरी (दिसम्बर 2024 तक) दर्ज की है और कंपनी का म्ठप्ज्क। भी उच्च स्तर पर है।

राज शर्मा, बिज़नेस हैड, कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने कहा, "हमारा नया प्रोडक्ट कोसील-601 हीट सील कोटिंग टेक्नोलॉजी में नया इनोवेशन है। खासतौर पर हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग वातावरण में प्रोडक्ट का शानदार परफोर्मेन्स इसे हमारे उपभोक्ताओं के अनुकूल बनाता है। हमारे योगदान मार्जिन में प्रभावशाली बढ़ोतरी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट पैकेजिंग समाधान उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। निरंतर इनोवेट करते हुए हम ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं जो संचालन की क्षमता के साथ-साथ सस्टेनेबिलिटी को भी बनाए रखें।

केसील- 601 कोटिंग के कई फायदे हैं, इसका रेडी-टू-यूज़ फॉर्मूला तुरंत ऐप्लीकेशन के लिए अनुकूल है, एलुमिनियम फोइल लेमिनेट संरचना के लिए बेहतरीन अडहेसिव की तरह काम करता है, 120-140 डिग्री सेल्सियस में अनुकूल सीलिंग परफोर्मेन्स देता है, ब्लॉक-फ्री फॉर्मूला के साथ कम फ्रिक्शन देता है, हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग के लिए बेहतर अनुकूलनशील तथा पानी एवं तेल के लिए प्रतिरोधी है।

प्रोडक्ट को 2-प्लाई संरचनाओं (45-60 GSM Paper/6.35-9μ Foil/HSL coating) और 3-प्लाई संरचनाओं (45-60 GSM Paper/10-12μ PET/6.35-9μ Foil/HSL coating) दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, ऐसे में ये विभिन्न प्रकार की पैकेजिंग संबंधी ज़रूरतों के लिए परफेक्ट है।

हत्या के विरोध में धरना दिया, खुद हत्यारा निकला

अवैध संबंधों का पता चलने पर महिला के सिर पर चोट मारकर किया था मर्डर

बीकानेर, 18 मार्च। अवैध संबंधों को छिपाने के लिए एक युवक ने पहले महिला की हत्या की और इसके बाद हत्या के विरोध में खुद ही पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी के आगे धरने पर बैठ गया। पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए युवक को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। उसने पुलिस के सामने स्वीकार किया सिर पर भारी चीज से वार करके पहले हत्या की और बाद में शव को जलाने का भरसक प्रयास किया। पुलिस की गिरफ्त में मुख्य आरोपी। मुक्ता प्रसाद थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि 7 मार्च को मांगीलाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पत्नी का शव घर में अध जला मिला है। उसकी पत्नी मनीषा का शव देखकर पुलिस को शक हो गया था कि किसी ने हत्या की है। घटना स्थल पर एक दरवाजा खुला था, वहीं से पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करने के लिए घटनास्थल के आस-पास व बीकानेर से आने जाने के रास्ते पर करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए तथा घटनास्थल से तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। घटना स्थल के आस-पास डोर-टू-डोर सर्वे कर करीब 300 लोगों से पूछताछ की व पुलिस टीमों द्वारा महिला के शव मिलने वाले घटनास्थल के पास लगातार सात दिनों तक दिन रात उस रूट से आने जाने वाले करीब 500 लोगों से जानकारी जुटाई। बीकानेर शहर में रहने वाले संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। कड़ी से कड़ी जोड़कर जघन्य हत्याकांड में शामिल आरोपी को चिह्नित कर आरोपी की तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गोपाल कुम्हार ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसके मृतका की जेठानी व चचेरी बहिन सुमन के साथ पिछले करीब एक साल से अवैध संबंध थे। इसका पता को कुछ समय पहले मृतका को लगा। उसने विरोध किया। आरोपी गोपाल कुम्हार व उसकी प्रेमिका सुमन ने मृतका की हत्या करने का प्लान किया। इसके लिए दोनों ने कई वेब सीरीज व क्राइम एपिसोड देखे। आरोपी गोपाल कुम्हार को उसकी प्रेमिका ने मृतका के घर की सारी जानकारियां उपलब्ध करवाई। मृतका कब कब घर अकेली रहती है। हत्या करने से दो दिन पूर्व भी आरोपी ने घटनास्थल पर आकर अपनी प्रेमिका के साथ मृतका के घर की रेकी की। सात मार्च को आरोपी ने मृतका के घर जाकर उसको विश्वास में लिया। कॉलोनी में कोई काम से आने का बताकर मृतका के घर पर बैठकर चाय पी। मृतका के घरेलू कार्य के दौरान धोखे से उसके सिर पर किसी भारी हथियार से वार कर गंभीर चोटें मारी। इतना जोर से मारा कि उसकी मौत हो गई। मृतका की लाश पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जला दी। साक्ष्य नष्ट करने के भरसक प्रयास किये। घटना के अगले दिन भी आरोपी मृतका की हत्या को लेकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी के आगे धरना में शामिल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में गोपाल कुम्हार पुत्र आसुराम कुम्हार उम्र 41 साल निवासी वॉर्ड नम्बर 20 नयाबास गोशाला के पास बीदासर चूरू को गिरफ्तार किया है। जबकि सुमन पत्नी मुनीराम जाति जाट निवासी झाड़ेली हाल जेबी कोलोनी बीकानेर को निरुद्ध किया है।

बेटे की जगह बेटी हुई तो मां ने मार डाला

झुंझुनूं , 18 मार्च। झुंझुनूं में बेटा नहीं हुआ तो मां ने 17 दिन की बेटी की हत्या कर दी। मां ने मासूम को पानी के टैंक में फेंककर ढक्कन बंद कर दिया। घरवालों ने महिला से कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गई। हत्या की बात स्वीकार करते हुए बोली- बेटा होना चाहिए था... ये क्यों आ गई? डीएसपी वीरेंद्र कुमार ने बताया- घटना झुंझुनूं के वार्ड 53 नयाबास में रविवार की सुबह हुई थी। पंकज सैनी ने पत्नी निशा उर्फ आचकी देवी के खिलाफ बेटी की हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। आरोपी महिला को आज दोपहर 12 बजे गिरफ्तार कर लिया है। तस्वीर 3 मार्च की है। हॉस्पिटल से मां- बेटी घर आई तो परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया था। थाना प्रभारी नारायणसिंह कविया ने बताया- नयाबास निवासी पंकज सैनी के परिवार के सभी सदस्य रविवार सुबह खेत पर गए थे। घर पर सिर्फ निशा उर्फ आचकी देवी, दो साल की बेटी नाहिरा और 17 दिन पहले जन्मी मासूम सोनिया थी। सुबह करीब 9 बजे निशा ने अपने जेठ अनिल सैनी को कॉल कर बताया कि सोनिया गायब है और कोई उसे उठाकर ले गया। यह सुनते ही परिवार के लोग घबराकर घर पहुंचे और सोनिया को ढूंढना शुरू किया।

जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने घर के अंदर बने पानी के टैंक का ढक्कन हटाकर देखा। वहां मासूम सोनिया पानी में मिली। उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में परिजनों ने इसे दुर्घटना माना, लेकिन पुलिस को घटनास्थल की स्थिति देखकर शक हुआ। जांच में सामने आया कि घटना के समय घर के मुख्य दरवाजे की कुंदी बाहर से बंद थी। जिसे निशा के ससुर रामप्रताप खेत पर जाते समय लगाकर गए थे। 17 दिन की मासूम चारपाई से गिरकर अपने आप टैंक तक नहीं जा सकती थी। टैंक का ढक्कन भी बंद था, जिससे कोई बाहरी व्यक्ति अंदर घुसकर बच्ची को पानी में नहीं डाल सकता था। घर की चारदीवारी ऊंची थी, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति का अंदर आना मुश्किल था। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने निशा से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में निशा ने बताया कि वह बेटा चाहती थी, लेकिन लगातार दूसरी बार भी बेटी हो गई। इससे वह नाराज थी। इसी के कारण उसने 17 दिन की मासूम सोनिया को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। नयाबास निवासी पंकज सैनी और उसके भाई अनिल सैनी की शादी 7 साल पहले सूरजगढ़ की दो बहनों से हुई थी। पंकज सैनी के दो बेटियां हुई। जिनमें दो साल की नाहिरा और 17 दिन की सोनिया, जिसमें सोनिया की मौत हो चुकी है। अनिल सैनी के एक बेटा हिमांशु (5) और एक बेटी हिमांशी (डेढ़ साल) है। पुलिस के अनुसार- पंकज हलवाई है और खेती भी करता है

वीर तेजाजी जन्मस्थली खरनाल कमेटी के साथ मिलकर निरीक्षण

नागौर, 18 माच। सत्यवादी श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर नव निर्माण कार्य का अखिल भारतीय सत्यवती वीर तेजाजी जन्मस्थली खरनाल कमेटी के साथ मिलकर निरीक्षण किया और चर्चा की ताकि सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर निर्माण कार्य और गति से चल सके सत्यवादी वीर तेजाजी भगत जनों के भावनाओं के अनुसार भव्य मंदिर निर्माण कार्य हो इस मौके पर अखिल भारतीय वीर तेजाजी कमेटी के अध्यक्ष सुखराम जी खुडखुड़िया जी डॉ अजय सिंह चौटाला जी के प्रतिनिधि बिद्दू नैन कमेटी के कोषाध्यक्ष भंवर जी धोलिया कॉमेटी के सदस्य हरिराम जाजड़ा जी मौजूद रहे ।

दो तस्करों से 2450 नशीली गोलियां बरामद

हनुमानगढ, 18 मार्च। हनुमानगढ़ की रावतसर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद की हैं।

पुलिस अधीक्षक अरशद अली के निर्देशन में चल रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। रावतसर पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। एसआई इमिचन्द सोलंकी के नेतृत्व में चेकिंग के दौरान चक 4 ए एम के पास एक कार को रोका गया। कार नंबर एचआर 26 सीजेड 4214 की तलाशी में 2,000 टेपेंटाडोल और 450 लोराजेपाम की गोलियां मिलीं। पुलिस ने मौके से वार्ड 32 निवासी ललित मोहन और वार्ड 14 निवासी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

थाना प्रभारी रामचन्द्र कस्वां ने बताया कि तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से नशीली दवाओं की खेप के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और तस्करों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर खतरनाक खेल

सिरोही, 18 मार्च। उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर यात्रियों की सुरक्षा दांव पर लग रही है। रोडवेज बस ड्राइवर नियमों की अनदेखी कर यात्रियों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। पिंडवाड़ा फोरलेन ब्रिज से भीलवाड़ा जाने के लिए वाहनों को 2 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। इस दूरी से बचने के लिए रोडवेज बस ड्राइवर डिवाइडर पार कर जा रहे हैं। कुछ ड्राइवर तो 3 किलोमीटर तक रॉन्ग साइड में बस चला रहे हैं। यह वही मार्ग है जहां कुछ महीने पहले एक जीप दुर्घटना में 8 लोगों की मौत हो गई थी। यहां छोटी-मोटी दुर्घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। हाल ही में एक रोडवेज बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। बस ड्राइवर ने परिचालक को उतारा और बिना किसी सावधानी के डिवाइडर पार किया।

उस समय पीछे कई कारें थीं और सामने से तेज रफ्तार में वाहन आ रहे थे। जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग ने इस स्थान को ब्लैक स्पॉट घोषित किया है। अधिकारियों को इस खतरनाक स्थिति की जानकारी है। फिर भी, अब तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इस कारण यात्रियों की जान जोखिम में डालने का सिलसिला जारी है।

यूपीएससी छात्र की संदिग्ध मौत का मामला

नीमकाथाना, 18 मार्च। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल में राजस्थान के भीलवाड़ा के यूपीएससी छात्र राजकुमार जाट की संदिग्ध मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नीमकाथाना में एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। बलवीर खैरवा के नेतृव में ज्ञापन सौंपा गया। बलवीर खैरवा ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक जयराज सिंह जड़ेजा और उनके बेटे गणेश जड़ेजा ने राजकुमार की हत्या की है। जड़ेजा के घर में उनके साथ निर्मम मारपीट की गई। ज्ञापन देने वालो ने चार प्रमुख मांगे रखी है। जिसमें जीरो एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई है। इस मामले को दुर्घटना बताया जा रहा है, जबकि जड़ेजा के घर का सीसीटीवी फुटेज नहीं दिखाया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार से सीबीआई जांच की मांग की गई है। पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की बात कही गई है। आरोपी पूर्व विधायक और उनके बेटे पर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। ज्ञापन देने के दौरान शाहरुख नेता, बलवीर खैरवा, रणजीत कुड़ी, दीपेंद्र दिवाच, राजेश बाजिया, मनोज सांई, अनिल काजला मौजूद रहे।

नीमकाथाना में अवैध बजरी परिवहन पर कार्रवाई

नीमकाथाना, 18 मार्च। महानिरीक्षक पुलिस के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज पाठक और सहायक पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। थानाधिकारी राजेश गजराज की अगुवाई में टीमों ने कस्बा नीमकाथाना में कार्रवाई की। सीआई राजेश गजराज ने बताया कि पुलिस ने राणासर तिराहे और नयाबास रोड से अवैध बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी। गिरफ्तार किए गए चालकों में महेश कुमार (31) और कैलाशचंद (28) शामिल हैं। महेश कुमार हरिपुरा, उदयपुरवाटी का रहने वाला है, जबकि कैलाशचंद ढाणी भादवा वाली, सराय, उदयपुरवाटी का निवासी है। दोनों चालकों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अवैध बजरी के संबंध में दोनों से पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

ज्वेलर के घर में घुसा बदमाश, पत्नी को बंधक बनाया

पाली, 18 मार्च। पाली में एक बदमाश ने ज्वेलर के घर में घुसकर लूट का प्रयास किया। उसने घर में अकेली ज्वेलर की पत्नी के सिर पर एयरगन तानकर धमकाया और जेवर-पैसे मांगे। इतना ही नहीं बदमाश महिला पर बैठ गया और उसका गला दबाने लगा। इसी बीच पड़ोस की एक महिला वहां आ गई, उसने बदमाश को देखा तो जोर से चिल्लाई। महिला की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग एकत्र हो गए और बदमाश को पकड़ लिया। मामला कोतवाली थाना इलाके की बापू नगर कॉलोनी का सोमवार सुबह 11.30 बजे का है। पाली से 10 किलोमीटर दूर हेमावास गांव में ज्वेलरी शॉप चलाने वाले कैलाश सोनी की पत्नी गुंजन घर में अकेली थी। पति दुकान पर थे और बच्चे स्कूल गए थे। इसी दौरान बदमाश प्रवीण सिंह घर पहुंचा। उसने कहा कि आपके पति को रुपए देने हैं और 500 के नोटों की गड्डी दिखाई। जैसे ही महिला ने गेट खोला, बदमाश धक्का देकर अंदर घुस गया। बदमाश ने महिला को नीचे गिराकर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। गहने और रुपए मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी। एयरगन निकालकर डराने लगा। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए कहा कि यह नकली पिस्टल है, मैं नहीं डरती। शातिर बदमाश ने बच्चों के नाम लेकर भी धमकाया। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली कल्पना अपने बच्चों को खोजते हुए वहां पहुंची। उसने देखा कि बदमाश गुंजन पर बैठा है और एयरगन तान रखी है। कल्पना के चिल्लाने से मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो गए। बदमाश छत पर भागा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक मोहल्ले के लोगों ने बदमाश के हाथ बांध दिए थे और उसकी पिटाई कर रहे थे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

गौ रक्षकों का रामदेवरा में धरना जारी

रामदेवरा, 18 मार्च। रामदेवरा में गौ रक्षकों का धरना प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। यह धरना रविवार दोपहर से चल रहा है। प्रदर्शनकारी दूधिया गांव में एक गाय पर कुल्हाड़ी से हमला और दूसरी गाय को कुत्तों से कटवाने की घटना के विरोध में धरने पर बैठे हैं। घटना 13 मार्च की है, जब एक काश्तकार ने कथित तौर पर यह कृत्य किया। गौ रक्षक और स्थानीय ग्रामीण रामदेवरा के चाचा चौक पर धरने पर बैठ गए हैं। वे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। रविवार शाम को पोकरण के एसडीएम प्रभजोतसिंह गिल ने धरना समाप्त करवाने का प्रयास किया। इस दौरान गौ रक्षकों और एसडीएम के बीच तीखी बहस हुई। धरना नेतृत्वकर्ता हेमंत महाराज ने आरोप लगाया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ दिया गया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शांति भंग के मामले में जमानत का प्रावधान है। हेमंत महाराज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि धारदार हथियार रखने वाले और मोर की हत्या करने वाले पर केवल शांतिभंग की धारा लगाना उचित नहीं है। गौ रक्षकों ने रामदेवरा थानाधिकारी पर समझौता करवाने का दबाव बनाने का आरोप भी लगाया है। इससे पहले रामदेवरा थानाधिकारी शंकर लाल और नायब तहसीलदार माधूदान ने भी धरना समाप्त करवाने का प्रयास किया था, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अडिग रहे। धरना स्थल पर गौ रक्षकों के ना मानने पर जब पोकरण एसडीएम उठ कर रवाना हुए तब भीड़ ने हो हल्ला किया। जिसके बाद पोकरण एसडीएम ने कहा कि रामदेवरा आके धरने पर बैठे लोगों से बात की है। लेकिन वो लोग मुद्दे पर नहीं आ रहे है इसलिए उनको में ये बात समझाना चाहता हु कि जिसने भी गलत किया है उसको सजा मिलेगी। मामले को कम्युलाइज ना करे। कोई भी हो अगर गाय को मारा है तो उसको सजा उतनी ही मिलेगी। उसके हिन्दू होने या गैर हिन्दू होने से सजा कम नहीं होगी। उन्होंने कहा कि देश में कानून का राज है किसी व्यक्ति का नहीं है। रामदेवरा में पिछले 18 घंटे से ग्रामीण आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठे है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस ने मामले की ठीक से जांच नहीं की और एक आरोपी को शान्ति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर इतिश्री कर ली। वहीं पुलिस पर गौ रक्षकों को फसाने के आरोप भी लगाए है। आज धरना स्थल पर कई बड़े नेताओ के पहुंचने की संभावना है। सोमवार सुबह तक लोग धरने पर बैठे है।

झुंझुनूं नगर परिषद के संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

झुंझुनूं , 18 मार्च। झुंझुनू नगर परिषद के संविदा (एजेंसी) कर्मियों ने कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। वेतन कटौती का विरोध किया गया। उनका चार महीने का वेतन भी बकाया है। इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने वेतन में कटौती का विरोध जताया है। पत्र में कर्मियों ने लिखा है कि उन्हें जून 2024 से 20,600 रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा था, लेकिन नवंबर 2025 में बिना किसी पूर्व सूचना के उनके वेतन में कटौती कर दी गई। उन्हें पुरा वेतन दिलाया जाए। कर्मचारियों को नवंबर 2024 का वेतन 15 मार्च 2025 को दिया गया है। वेतन मिला तब पता चला है कि उनका वेतन कम किया गया है। ज्ञापन में यह भी लिखा है कि उनका चार महीने का वेतन बकाया था, जिसमें से नवंबर का वेतन 15 मार्च 2025 को दिया गया।

फैंसी शॉप में फंदा लगाकर व्यापारी ने सुसाइड किया

पाली, 18 मार्च। पाली में फैंसी शॉप के मालिक में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी परिचितों और पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने बॉडी को उतारा और हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। मारवाड़ जंक्शन स।ह भारतसिंह रावत ने बताया- मारवाड़ जंक्शन के मुख्य बाजार स्थित गुर्जर बोर्डिंग मार्केट में फैंसी स्टोर चलाने वाले जगदीश सिंधी(64) ने रविवार शाम को अपनी शॉप में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त पत्नी गुरुद्वारे गई हुई थी। कॉर्नर की शॉप का एक शटर बंद था और दूसरा शटर आधा बंद था। पड़ोस के दुकानदार की नजर पड़ी तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मृतक की बॉडी मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाई। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन और परिचित बड़ी संख्या में हॉस्पिटल पहुंचे। बुजुर्ग की बॉडी देख परिजनों में चीख पुकार मच गई और उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि जगदीश अब इस दुनिया में नहीं रहे। सोमवार को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की।

जैसलमेर में सैलानियों को परेशान करते 2 लपके गिरफ्तार

जैसलमेर, 18 मार्च। जैसलमेर पुलिस ने ऑपरेशन वेलकम के तहत कार्रवाई करते हुए 2 लपकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों लपके सैलानियों का पीछा कर उनको अपनी होटलों में ले जाने के लिए परेशान कर रहे थे।

शहर कोतवाल प्रेमदान की टीम ने कार्रवाई करते हुए भाय खान, निवासी इसानियो का गांव हाबुर को पकड़ा। वहीं सम थानाधिकारी सुरजाराम की टीम ने मुबीन खान, निवासी सगरो की बस्ती सम को गिरफ्तार किया। दोनों सैलानियों को होटल व रिसोर्ट में ले जाने के लिए परेशान कर रहे थे। दोनों को पकड़कर थाने लाया गया जहां पर्यटन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। शहर कोतवाल सवाई सिंह ने बताया कि पर्यटन सीजन के आगाज के साथ ही शहर में सैलानियों कि आवक शुरू हो गई है। ऐसे में कमीशन पर अपनी होटलों में ले जाने के लिए लपके भी सक्रिय हो गए हैं। जैसलमेर पुलिस इनको लेकर ऑपरेशन वेलकम अभियान चला रही है और लगातार लपकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। एसएचओ सवाई सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस ने एक लपके को सैलानियों का पीछा कर उनको विजिटिंग कार्ड दिखाकर अपनी होटलों में ले जाने के लिए परेशान करते देखा। पुलिस ने तुरंत ही युवक भाय खान, निवासी इसानियो का गांव हाबुर को पकड़ा। पकड़ने के दौरान जानकारी में आया कि ये लपका है और कमीशन के चक्कर में सैलानियों को होटलों में कमरे आदि दिलाता है। ऐसे में कई बार सैलानियों के साथ ठगी की घटना भी होती है। वहीं सम थानाप्रभारी सुरजा राम ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस ने एक लपके को सैलानियों का पीछा कर उनको विजिटिंग कार्ड दिखाकर अपने रिसोर्ट में ला जाने के लिए परेशान करते देखा। पुलिस ने तुरंत ही युवक मुबीन खान, निवासी सगरो की बस्ती सम को गिरफ्तार किया।

मुबीन खान कमीशन के चक्कर में सैलानियों को रिसोर्ट में टैंट आदि दिलाता है। ऐसे में कई बार सैलानियों के साथ ठगी की घटना भी होती है। गौरतलब है कि जिले में पर्यटकों कि सुरक्षा को लेकर एसपी जैसलमेर के निर्देशन में ऑपरेशन वेलकम अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत एसपी सुधीर चौधरी द्वारा थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली जैसलमेर, सम एवं प्रभारी डीएसटी भीमराव को विशेष दिशा निर्देश दिए जाकर लपकों के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। इस अभियान के तहत पुलिस लगातार कार्रवाई करके सैलानियों को परेशान करने वाले लपकों को पकड़ती है।

होटल संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

सीकर, 18 मार्च। सीकर की खंडेला थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। होटल संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने और फायरिंग के मामले में फरार चल रहे बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब 5 महीने से ज्यादा समय से फरार था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी इंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि 6 अक्टूबर 2024 को कांवट कस्बे में श्याम होटल एंड रेस्टोरेंट के संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने और होटल मालिक पर फायरिंग के मामले में आरोपी विकास गुर्जर घटना के बाद से ही फरार था। जिसे आज नीमकाथाना कोतवाली पुलिस और खंडेला पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। यादव ने बताया कि घटना के बाद खंडेला पुलिस के द्वारा आरोपी की तलाश में कई बार दबिश दी गई। लेकिन आरोपी का पता नहीं चल पाया था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी नीमकाथाना शहर में घूम रहा है। ऐसे में खंडेला पुलिस और नीमकाथाना कोतवाली पुलिस ने दबिश देते हुए आरोपी विकास गुर्जर (21) पुत्र बद्रीप्रसाद गुर्जर निवासी हीरानगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खंडेला थाने के टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल है।

जूतों की दुकान में आग, देर रात की घटना, लाखों रुपए का सामान जलकर राख हुआ

बीकानेर, 18 मार्च। बीकानेर के केईएम रोड पर स्थित एक जूतों की दुकान में रविवार देर रात आग लग गई। आग से दुकान में रखे लाखों रुपए के जूते-चप्पल जलकर राख हो गए। आसपास के लोगों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सामान को बचाया नहीं जा सका। रविवार रात को दुकान बंद थी और इसमें शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग लगने के बाद लोगों ने दुकान से बाहर आता धुंआ देखकर दुकान मालिक को फोन किया। बाटा गली में स्थित संत शू स्टोर में लगी आग के बाद लोगों ने मालिक का इंतजार नहीं किया, बल्कि पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। जलते हुए सामान को बाहर निकालने की कोशिश भी की गई लेकिन आग इतनी फैल चुकी थी, किसी का पास जाना संभव नहीं हुआ। घटना के बाद कोटगेट पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। तब तक लाखों रुपए का सामान अंदर जल चुका था।

परिवारिक विवाद में लोहे के सरिए से हमला

हनुमानगढ, 18 मार्च। हनुमानगढ़ परिवारिक विवाद में भतीजे ने जानलेवा हमलाकर चाचा और चचेरे भाई-बहन को किया घायल। हनुमानगढ़ में एक गंभीर पारिवारिक विवाद सामने आया है। अल्फा कॉलोनी निवासी अंकित जैन (32) ने अपने चाचा गौरीशंकर (53) के घर में घुसकर लोहे के सरिए से हमला कर दिया। घटना रविवार सुबह करीब 8 बजे की है। आरोपी अंकित ने न केवल अपने चाचा गौरीशंकर पर, बल्कि उनके बेटे अमित और बेटी साक्षी पर भी हमला किया। हमले में अमित के सिर में गंभीर चोटें आईं।

घर में घुसकर हथियारों से किया हमला, 8 नामजद सहित 15 अन्य लोगों पर केस, दो घायल

हनुमानगढ़, 18 मार्च। हनुमानगढ़ की ग्राम पंचायत दो केएनजे आबादी, आईटीआई बस्ती के एक घर में होली के दिन चल रहे कार्यक्रम के दौरान धारदार हथियारों व डंडों से लैस होकर घर में घुसे कुछ लोगों ने पूरे परिवार व कार्यक्रम में आए रिश्तेदारों पर हमला कर दिया। इनके साथ मारपीट की और रुपए छीन लिए। ईंट-पत्थर फेंककर तोडफ़ोड़ की। आस-पड़ोस के लोगों के आने पर हमलावर भाग गए। हमले में दो जने घायल हो गए। परिजनों ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। इस संबंध में जंक्शन पुलिस थाना में आठ नामजद व 10-15 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार अंगूरी देवी (62) पत्नी कृष्ण ओड निवासी वार्ड छह, आईटीआई बस्ती, ग्राम पंचायत दो केएनजे आबादी ने अपने लड़के राजू (34) के साथ थाना पहुंचकर लिखित रिपोर्ट पेश की कि 14 मार्च को उसके घर में होली के त्योहार पर कार्यक्रम रखा हुआ था। कार्यक्रम में उसके रिश्तेदार आए हुए थे। अपराह्न करीब 3.15 बजे किशन पुत्र मुंशी, सोनू पुत्र किशन, मोनू पुत्र किशन निवासी करतारपुरा, किशन का साला मंगल, बिट्टू निवासी सेक्टर नम्बर 12, जंक्शन, अरुण पुत्र रोहताश निवासी करतारपुरा, महेन्द्र पुत्र बिट्टू, बजरंग पुत्र बिट्टू ओड निवासी आईटीआई बस्ती एवं 10-15 अन्य व्यक्ति डंडे, कुल्हाड़ी, लोहे की गरारी सहित धारधार हथियार लेकर आए और उसके घर में घुस गए। उसके पूरे परिवार एवं रिश्तेदारों पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट करने लगे। उसके हाथ पर डंडे से, बेटे सुभाष के पैर पर डंडे से, भतीजे सुखदेव के पैरों, हाथ, बक्खी पर डंडों से, बेटे राजू के पेट पर ईंट से, जवाई साजन के मुंह, आंख के पास एवं पैरों पर डंडों से, बेटे राकेश के हाथ की अंगुली एवं मोड़े पर डंडों एवं ईंटों से वार कर चोट मारी। पोते विक्की के हाथ एवं नाक पर डंडे से एवं लोहे की गरारी से वार कर चोटें मारी। धमकी देने लगे कि एक-एक को जान से मारेंगे। इन लोगों ने उसके घर में ईंट-पत्थर फेंके। मोटर साइकिल तोडफ़ोड़ कर दी। मौके पर मोहल्ले वाले आ गए एवं बीच-बचाव किया तो यह लोग मारपीट कर उसके जवाई साजन से 15 हजार रुपए की नकदी एवं बेटे सुभाष से 20 हजार रुपए की नकदी छीनकर आइंदा जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। उसके जवाई साजन एवं बेटे राकेश के गंभीर चोटें लगने से उन्हें टाउन के राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दोनों का इलाज चल रहा है। अंगूरी देवी के अनुसार हमलावर बदमाश प्रवृत्ति के हैं जो आइंदा भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना कर सकते हैं। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश एएसआई खेमराज के सुपुर्द की है।

मंगलवार को करें ये उपाय ...

रामभक्त हनुमान करेंगे हर मनोकामना पूरी

मंगलवार का दिन विशेष रूप से राम भक्त हनुमान को समर्पित है। इस दिन जो भी व्यक्ति श्रद्धा भाव से हनुमान जी की पूजा करता है, उसे पवनपुत्र की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यही कारण है कि भक्तगण मंगलवार के दिन व्रत रखते हैं और हनुमान जी की पूजा के साथ विभिन्न उपाय करते हैं। माना जाता है कि इस दिन किए गए कुछ खास उपायों से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाओं को पूरा करते हैं, साथ ही उन्हें राजयोग का भी आशीर्वाद मिलता है।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के उपाय

राम नाम का जाप– हनुमान जी के परम भक्त होने के नाते, मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर राम नाम का जाप करना अत्यंत प्रभावी माना जाता है। इससे हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और जीवन के सभी संकटों का निवारण होता है।

राम रक्षा स्तोत्र का पाठ– इस दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना अत्यधिक लाभकारी होता है। इसके साथ ही हनुमान जी को गुड़ और चने का भोग अर्पित करें, ताकि उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में समृद्धि आए।

मंगलवार का व्रत– यदि संभव हो तो मंगलवार का व्रत रखें और इस दिन गरीबों को भोजन कराने का कार्य करें। ऐसा करने से न केवल हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि जीवन में धन और अन्न की कभी कमी नहीं होती। इसके अलावा, यह उपाय कुंडली में मंगल ग्रह को भी मजबूत करता है।

हनुमान जी को चोला चढ़ाना और सुंदरकांड का पाठ– मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और साथ ही सुंदरकांड का पाठ करें। यह उपाय हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त करने का एक उत्तम तरीका है।

वट वृक्ष से पत्ते का उपाय– ब्रह्म मुहूर्त में उठकर एक वट वृक्ष का पत्ता लाएं, उसे गंगाजल से धोकर उस पत्ते पर लाल रंग से अपनी इच्छा लिखें और हनुमान जी के चरणों में अर्पित करें। ऐसा करने से आपकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

रोजगार और धन प्राप्ति के उपाय– यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करें। इससे जल्द ही सफलता मिलती है। वहीं, धन प्राप्ति के लिए हनुमान जी को केवड़े का इत्र और गुलाब के फूलों की माला अर्पित करें।

आर्थिक समृद्धि के लिए करें शनि चालीसा का पाठ

दूर होंगी सभी परेशानियां

सप्ताह में शनिवार का दिन शनि महाराज को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आते हैं। ज्योतिषियों के मुताबिक शनिदेव की उपासना से कुंडली में शनि की स्थिति भी मजबूत होती हैं जिसके प्रभाव से जातक को अपने हर काम में तरक्की और रोग, नौकरी-व्यापार में बाधा व ऋण जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इस दौरान शनि चालीसा का पाठ करना और भी लाभकारी माना गया है, क्योंकि इससे व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि प्राप्त होती है।

शनि चालीसा

दोहा

जय गणेश गिरिजा सुवन, मंगल करण कृपाल।

दीनन के दुख दूर करि, कीजै नाथ निहाल॥

जय जय श्री शनिदेव प्रभु, सुनहु विनय महाराज।

करहु कृपा हे रवि तनय, राखहु जन की लाज॥

हाथी पर सवार होकर आएंगी माता रानी

पूजा के लिए जरूर मंगा ले ये चीजें

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जिसका समापन नवमी के दिन किया जाता है। यह नौ दिन मुख्य रूप से देवी के 9 रूपों की पूजा को समर्पित है। मान्यता है कि इस अवधि में यदि सच्चे भाव से उपासना की जाए, तो न केवल जीवन में सुख-समृद्धि बल्कि घर परिवार व करियर में भी शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। धार्मिक ग्रंथों में नवरात्रि को मां दुर्गा का विशेष आशीर्वाद पाने का अवसर कहा जाता है, इसलिए हर साल माता के आगमन की खुशी में घर, मंदिर व पड़ालों में पूजा का भव्य आयोजन किया जाता है।

कलश स्थापना मुहूर्त

कलश स्थापना नवरात्रि की पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इस दौरान विशेष मुहूर्त में कलश स्थापना करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है। 2025 में कलश स्थापना के लिए निम्नलिखित मुहूर्त है।

पहला मुहूर्त

30 मार्च 2025, सुबह 06:13 बजे से 10:22 बजे तक।

दूसरा मुहूर्त (अभिजीत मुहूर्त)

30 मार्च 2025, दोपहर 12:01 बजे से 12:50 बजे तक।

इन मुहूर्तों में कलश स्थापना करना अत्यधिक फलदायी माना जाता है।

कलश स्थापना के नियम

कलश स्थापना के लिए कुछ महत्वपूर्ण नियम और विधियों का पालन करना आवश्यक है, ताकि पूजा सही तरीके से सम्पन्न हो और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त हो सके। सबसे पहले पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें। पूजा स्थल की शुद्धता से ही सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। कलश स्थापना करने से पहले अष्टदल बनाना चाहिए। यह 8 पंखुड़ियों वाला एक रूप होता है, जो नक्षत्रों और देवी-देवताओं की आशीर्वाद को आकर्षित करता है।कलश हमेशा सोना, चांदी, तांबा, या मिट्टी से बना होना चाहिए। इन सामग्रियों से बने कलश को शुभ माना जाता है, और वे पूजा में अधिक प्रभावी माने जाते हैं। उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में कलश स्थापना करना सबसे शुभ माना जाता है। इस दिशा में कलश रखने से घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। कलश पर स्वास्तिक चिन्ह बनाना चाहिए। यह शुभता का प्रतीक होता है और देवी दुर्गा के आशीर्वाद को आकर्षित करता है। कलश पर मौली लपेटें, फिर आम के पत्ते रखें और उसके ऊपर एक नारियल रखें। यह विधि कलश को शुद्ध और संपूर्ण बनाती है। एक पात्र में मिट्टी डालें और उसमें 7 प्रकार के अनाज बोएं। यह अनाज धरती की उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक होते हैं। अब कलश में लौंग, हल्दी, अक्षत (चिउड़े), सिक्का, इलायची, पान और फूल डालें। ये सभी चीजें समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक मानी जाती हैं।

कलश स्थापना के लाभ

कलश स्थापना का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि यह घर में सुख-समृद्धि और समृद्धि का संकेत भी है। इस प्रक्रिया को विधिपूर्वक करने से निम्नलिखित लाभ होंगे। घर में शांति, सुख और समृद्धि का वास होता है। आरोग्य की प्राप्ति होती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। देवी दुर्गा की कृपा से जीवन में आध्यात्मिक उन्नति और वित्तीय समृद्धि आती है।

भोलेनाथ की कृपा

पाने के लिए करें ये काम, जीवन में आएगा बदलाव

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महादेव जल्द प्रसन्न होने वाले देवता है। यदि सच्चे भाव से सोमवार के लिए उन्हें भांग, धतूरा, बेलपत्र, चंदन व दूध, दही और फल अर्पित किया जाए तो, जीवन से सभी तरह की परेशानियां समाप्त होती हैं। पूजा के दौरान शिव चालीसा का पाठ करना और भी कल्याणकारी है। इससे नौकरी में तरक्की और व्यापार में धन लाभ के योग बनते हैं।

शिव चालीसा पाठ

।।दोहा।।

श्री गणेश गिरिजा सुवन, मंगल मूल सुजान।
कहत अयोध्यादास तुम, देहु अभय वरदान॥

जय गिरिजा पति दीन दयाला। सदा करत संतन प्रतिपाला॥
भाल चंद्रमा सोहत नीके। कानन कुंडल नागफनी के॥
अंग गौर शिर गंग बहाये। मुंडमाल तन छार लगाये॥
वस्त्र खाल बाघंबर सोहे। छवि को देख नाग मुनि मोहे॥
मैना मातु की ह्वै दुलारी। बाम अंग सोहत छवि न्यारी॥
कर त्रिशूल सोहत छवि भारी। करत सदा शत्रुन क्षयकारी॥
नंदि गणेश सोहै तहं कैसे। सागर मध्य कमल हैं जैसे॥
कार्तिक श्याम और गणराऊ। या छवि को कहि जात न काऊ॥
देवन जबहीं जाय पुकारा। तब ही दुख प्रभु आप निवारा॥
किया उपद्रव तारक भारी। देवन सब मिलि तुमहिं जुहारी॥
तुरत षडानन आप पठायउ। लवनिमेष महं मारि गिरायउ॥
आप जलंधर असुर संहारा। सुयश तुम्हार विदित संसारा॥
त्रिपुरासुर सन युद्ध मचाई। सबहिं कृपा कर लीन बचाई॥
किया तपहिं भागीरथ भारी। पुरब प्रतिज्ञा तसु पुरारी॥
दानिन महं तुम सम कोउ नाहीं। सेवक स्तुति करत सदाहीं॥
वेद नाम महिमा तव गाई। अकथ अनादि भेद नहिं पाई॥
प्रगट उदधि मंथन में ज्वाला। जरे सुरासुर भये विहाला॥
कीन्ह दया तहं करी सहाई। नीलकंठ तब नाम कहाई॥
पूजन रामचंद्र जब कीन्हा। जीत के लंक विभीषण दीन्हा॥
सहस कमल में हो रहे धारी। कीन्ह परीक्षा तबहिं पुरारी॥
एक कमल प्रभु राखेउ जोई। कमल नयन पूजन चहं सोई॥
कठिन भक्ति देखी प्रभु शंकर। भये प्रसन्न दिए इच्छित वर॥
जय जय जय अनंत अविनाशी। करत कृपा सब के घटवासी॥
दुष्ट सकल नित मोहि सतावै। भ्रमत रहे मोहि चैन न आवै॥
त्राहि त्राहि मैं नाथ पुकारो। यहि अवसर मोहि आन उबारो॥
लै त्रिशूल शत्रुन को मारो। संकट से मोहि आन उबारो॥
मातु पिता भ्राता सब कोई। संकट में पूछत नहिं कोई॥
स्वामी एक है आस तुम्हारी। आय हरहु अब संकट भारी॥
धन निर्धन को देत सदाहीं। जो कोई जांचे वो फल पाहीं॥
अस्तुति केहि विधि करौं तुम्हारी। क्षमहु नाथ अब चूक हमारी॥
शंकर हो संकट के नाशन। मंगल कारण विघ्न विनाशन॥
योगी यति मुनि ध्यान लगावैं। नारद शारद शीश नवावैं॥
नमो नमो जय नमो शिवाय। सुर ब्रह्मादिक पार न पाय॥
जो यह पाठ करे मन लाई। ता पार होत है शंभु सहाई॥
ऋनिया जो कोई हो अधिकारी। पाठ करे सो पावन हारी॥
पुत्र हीन कर इच्छा कोई। निश्चय शिव प्रसाद तेहि होई॥
पंडित त्रयोदशी को लावे। ध्यान पूर्वक होम करावे॥
त्रयोदशी ब्रत करे हमेशा। तन नहीं ताके रहे कलेशा॥
धूप दीप नैवेद्य चढ़ावे। शंकर सम्मुख पाठ सुनावे॥
जन्म जन्म के पाप नसावे। अन्तवास शिवपुर में पावे॥
कहे अयोध्या आस तुम्हारी। जानि सकल दुःख हरहु हमारी॥

।।दोहा।।

नित्त नेम कर प्रातः ही, पाठ करौं चालीसा।
तुम मेरी मनोकामना, पूर्ण करो जगदीश॥
मगसर छठि हेमंत ऋतु, संवत चौसठ जान।
अस्तुति चालीसा शिवहि, पूर्ण कीन कल्याण॥

साइबर क्रिमिनल को सप्लाई 300 मोबाइल सिम, दो गिरफ्तार

33 फर्जी सिम से 50 लाख से ज्यादा के साइबर फ्रोड केस दर्ज, जोधपुर पुलिस ने बंद कराई

जोधपुर,18 मार्च। जोधपुर पुलिस ने अनपढ़ मजदूरों के नाम से अनगिनत मोबाइल सिम लेकर साइबर क्रिमिनल्स को सप्लाई करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एयरटेल और वीआई की सिम बेचने वाला रिटेलर मोबाइल शॉप संचालक है।

दोनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 104 सिम कार्ड, 31 मोबाइल फोन, 2 फिंगर प्रिंट स्कैनर, 1 चेक बुक, 5 एटीएम कार्ड, 9 हस्ताक्षर किए हुए खाली चेक, आधार, पैन कार्ड और हिसाब की डायरी भी बरामद की है। फर्जी तरीके से जारी करीब 300 मोबाइल सिम में से 33 सिम से देश के विभिन्न इलाकों में 38 शिकायत दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें 50 लाख रुपए से ज्यादा की साइबर फ्रॉड की वारदात होना सामने आया है। डीसीपी (वेस्ट) राजर्षि राज वर्मा ने बताया- साइबर क्रिमिनल्स के नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी बीच एक सूचना मिली कि जोधपुर शहर में सालावास रोड पर राहुल मोबाइल वाला एयरटेल कंपनी की करीब 40 सिम फर्जी तरीके से जारी कर चुका है। आरोपी एक मोबाइल शॉप का संचालक, जो सिम रिटेलर है, वो फर्जी तरीके से मोबाइल सिम उठाकर उन्हें साइबर क्रिमिनल्स के नेटवर्क तक पहुंचा रहा है।

पुख्ता जानकारी के आधार पर बासनी थानाधिकारी नितिन दवे की अगुवाई में साइबर सेल प्रभारी हेड कॉन्स्टेबल प्रेम चौधरी के साथ विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने फर्जी तरीके से जारी कुछ मोबाइल सिम के नंबरों की डिटेल खंगाली, तो पता चला कि एक-एक व्यक्ति के नाम से 4-4 या 5-5 मोबाइल सिम जारी हुई है। इस पर पुलिस टीम में शामिल एसआई सुरेश कुमार, डीएसटी प्रभारी एसआई पिंटू कुमार, बासनी थाने के हेड कॉन्स्टेबल दिनेश, साइबर एक्सपर्ट कॉन्स्टेबल जगदीश, कॉन्स्टेबल दिनेश नायल, रामदीन, सुरेश कुमार व शंकरलाल की टीमों ने उन लोगों को ढूंढा, जिनके नाम से मोबाइल सिम जारी हुई थी। उन लोगों से पूछताछ की, तो उन्होंने खुद के नाम से दूसरी सिम होने से अनभिज्ञता जताई, लेकिन इन सभी ने राहुल मोबाइल वाला से ही एक सिम लेना बताया।

ऐसे ही एक व्यक्ति मूलतया यूपी के लखनऊ में मणियाउ थानांतर्गत छठा मील मुस्लिम नगर सीतापुर रोड हाल सांगरिया फांटा राधे कृष्णा विहार निवासी सूरज सिंह पुत्र विजय सिंह ने पुलिस को बताया कि उसने सितंबर 2024 में अपनी बीएसएनएल सिम पोर्ट कराने के लिए राहुल कुमार झा मोबाइल वाला से संपर्क किया था। वहां राहुल के कहने पर उसके साथ काम करने वाले मोहम्मद इकबाल, मोहम्मद शरीफ ने सूरजसिंह को धोखे में रखकर आधार कार्ड लिया और फोटो खींचकर फिंगर प्रिंट लिए और 2-3 दिन बाद में आने को कहा। डीसीपी वर्मा ने बताया- 3 दिन बाद सूरज सिंह वापस राहुल के पास गया, तो उसे बताया गया कि प्रोसेस पूरा नहीं हुआ, इसलिए सिम एक्टिवेट नहीं हुई है और इसी बहाने दुबारा प्रक्रिया पूरी कराई। उसे विश्वास दिलाने के लिए एक खाली सिम थमा दी गई, लेकि वो भी 3 दिन तक चालू नहीं हुई, तो सूरज दूसरी बार आरोपियों के पास पहुंचा।

आरोपियों ने एक बार फिर वो ही प्रक्रिया पूरी कराई और इस तरीके से उसके नाम से तीन सिमें एक्टिवेट कर दी गई, जिसके बारे में सूरज को पता ही नहीं चला। इस पर बासनी थाने में सूरजसिंह की रिपोर्ट पर सिम का फर्जीवाड़ा करने वाली गैंग के खिलाफ अहम जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने मूलतया बिहार के मधुबनी में राजनगर थानांतर्गत कैथई हाल सांगरिया फांटा राधा कृष्ण विहार निवासी राहुल कुमार झा (30) पुत्र रमन झा और उसके साथी मूलतया फलोदी के देणोक हाल सांगरिया इंद्रा नगर निवासी मोहम्मद इकबाल (25) पुत्र इब्राहिम अली तेली को गिरफ्तार कर लिया। बाद में इन दोनों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

दोनों आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि मजदूरों के नाम से वे अब तक तकरीबन 300 से ज्यादा मोबाइल सिम फर्जी तरीके से एक्टिवेट करके साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के नेटवर्क को दे चुके हैं। इनमें से 33 सिम के नंबरों की ही छानबीन में देशभर में 36 शिकायत दर्ज होने और इनके जरिए तकरीबन 50 लाख रुपए से ज्यादा की साइबर फ्रॉड की वारदातें होना सामने आया है। ऐसे में सभी 300 सिम से फ्रॉड का यह आंकड़ा करोड़ों रुपए का हो सकता है।

नया बिजली कनेक्शन लेना हुआ और आसान वितरण कंपनियों की पहल

जयपुर, 18 मार्च। प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन के लिए ई-मित्र के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाया गया है। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि ई-मित्र एप्लीकेशन को अब डिस्कॉम्स के न्यू कनेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम मॉडयूल से इंटीग्रेटेड कर दिया गया है। जिससे अब ई-मित्र पर आवेदन के साथ ही डिस्कॉम्स कार्मिकों के स्तर पर की जाने वाली इंस्पेक्शन, डिमांड नोट जारी करने आदि समस्त प्रक्रियाएं भी एनसीएमएस मॉड्यूल पर संधारित की जाएंगी। इससे आवेदकों को ई-मित्र के माध्यम से आवेदन के बावजूद कनेक्शन के लिए डिस्कॉम कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता अब नहीं होगी और सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ उन तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे लंबित कनेक्शनों की मॉनीटरिंग का काम भी ऑनलाइन हो पाएगा। जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण कम्पनियों ने एक साथ यह सुविधा प्रारंभ कर दी है। उल्लेखनीय बिजली बिल जमा कराने, कनेक्शन के लिए आवेदन तथा अन्य सेवाओं के भुगतान संबंधी सेवाएं ई-मित्र पर पहले से ही प्रदान की जा रही थीं। लेकिन ई-मित्र एप्लीकेशन के एनसीएमएस मॉड्यूल से इंटीग्रेटेड नहीं होने के कारण आवेदकों को इसके बाद भी डिस्कॉम कार्यालय जाना पड़ता था। अब इससे सब डिविजन कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सुश्री डोगरा ने बताया कि जल्द ही स्वीकृत विद्युत भार में बढोतरी अथवा कमी, नाम और श्रेणी परिवर्तत जैसी सेवाएं भी ई-मित्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि नए कनेक्शन के लिए आवेदन की यह सुविधा बिजली मित्र मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध है। सुश्री डोगरा ने बताया कि इससे सब डिविजन कार्यालयों में हर कनेक्शन के लिए अलग से मैन्यूअल पत्रावलियां तैयार करने से फाइलों के बढ़ते बोझ के काम को भी कम किया जा सकेगा। इससे राजस्थान डिस्कॉम्स की कार्यप्रणाली में पेपरलैस सिस्टम को मजबूती मिलेगी।

आवेदक द्वारा नए कनेक्शन के लिए आवेदन के पश्चात् साइट के निरीक्षण के लिए जेईएन साइट सत्यापन मोबाइल एप्लीकेशन को भी एनसीएमएस के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इससे नए कनेक्शन की फिजिबलिटी तथा एस्टीमेट मौके पर ही तैयार किया जाएगा। जेईएन साइट वेरीफिकेशन एप और एनसीएमएस के इंटीग्रेटेड किए जाने से ऑन साइट जांच में पारदर्शिता आएगी और समय की बचत भी होगी।

अजमेर में बीड़ी के गोदाम में लगी आग

अजमेर,18 मार्च। अजमेर की कालु की ढाणी स्थित बीड़ी के गोदाम में आज सुबह आग लग गई। अग्निशमन विभाग की 9 से ज्यादा गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। गोदाम मालिक ने आग लगाने का शक जाहिर किया है। अलवर गेट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आग की सूचना पर गोदाम मालिक परिवार सहित मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया। चीफ फायर ऑफिसर जगदीश प्रसाद ने बताया- द सेंटर इंदिरा वाटिका मैरिज गार्डन के नजदीकी गोदाम बना हुआ था। 9 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। गोदाम कमलेश चौहान के नाम से है। करीब 4 से 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित अनुराग चौहान कालू की ढाणी क्षेत्र में उनका गोदाम है। सुबह जब भाई पहुंचा तो गोदाम से दुआ निकल रहा था। इसके बाद फायर एक्सटेंशन का उपयोग कर आग बुझाने की कोशिश भी की थी। आग ने विकराल रूप ले लिया था। हमेशा की किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा आग लगाई गई है। गोदाम के अंदर किसी तरह का लाइट का कनेक्शन भी नहीं है। गोदाम कमलेश चौहान के नाम से है। करीब 4 से 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सीसीटीवी चेक करने पर एक अज्ञात व्यक्ति आता हुआ दिखाई दे रहा है। थाने पर शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

जमीनी विवाद में दंपति पर जानलेवा हमला

गोविंदगढ,18 मार्च। गोविंदगढ़ स्थित नोपुरा गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रविवार की शाम को विनोद यादव और उनकी पत्नी सुमन पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। राकेश ने बताया कि घटना के समय दंपति अपने घर के बाहर काम कर रहे थे। इसी दौरान रामस्वरूप और हरफूल कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचे। दोनों आरोपियों ने विनोद और सुमन के सिर पर वार कर दिया। पीड़ित राकेश यादव की शिकायत के अनुसार, परिवार में जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। चार-पांच दिन पहले रामस्वरूप, हरफूल, अचिज और राहुल ने उनके ट्यूबवेल की केबल काट दी थी।

बिजनेसमैन की ऑडी कार में लगाई आग

जयपुर,18 मार्च। जयपुर में घर के बाहर खड़ी बिजनेसमैन की ऑडी कार में बदमाश ने आग लगा दी। ज्वलनशील पदार्थ से बोरी गीली कर आग लगाई गई। आग के कारण कार पूरी तरह कबाड़ में बदल गई। करणी विहार थाना पुलिस ने रविवार रात एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लग सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ बदमाश की तलाश कर रही है। (करणी विहार) महावीर यादव ने बताया- करणी विहार इलाके में रहने वाले राजेश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। राजेश का कार बाजार का बिजनेस है। शनिवार रात को उन्होंने अपनी ऑडी कार घर के बाहर रोड किनारे खड़ी की थी। देर रात करीब 1:30 बजे कार से आग की लपटे उठने लगी।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष की नई टीम में ज्यादातर नए चेहरे होंगे

पुरानी टीम के आधे से ज्यादा नेता होंगे बाहर

जयपुर,18 मार्च। बीजेपी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जल्द अपनी टीम का ऐलान करेंगे। माना जा रहा है कि अप्रैल माह में बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा हो जाएगी। करीब 7 महीने पहले मदन राठौड़ पहली बार पार्टी अध्यक्ष बने थे, लेकिन वे पुरानी टीम के साथ ही काम कर रहे थे। अब उनका नए सिरे से पार्टी अध्यक्ष के पद पर निर्वाचन हुआ है। अब वे अपनी टीम तैयार करेंगे। माना जा रहा है कि प्रदेशाध्यक्ष की नई टीम में अधिकतर नए चेहरे देखने को मिलेंगे। मौजूदा प्रदेश कार्यकारिणी में से 50 प्रतिशत से ज्यादा नेता बाहर होंगे। मदन राठौड़ का कार्यकाल करीब तीन साल का है। ऐसे में उनकी नई टीम भविष्य के हिसाब से तैयार होगी। जिससे आने वाले समय में पार्टी प्रदेश में अधिक मजबूत हो सके। राजस्थान में अगला विधानसभा चुनाव साल 2028 में होगा। वहीं, मदन राठौड़ का कार्यकाल फरवरी 2028 तक है। ऐसे में उनकी नई टीम में पूरे राजस्थान का प्रतिनिधित्व देखने को मिलेगा। इसमें क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन का भी ध्यान रखा जाएगा। मदन राठौड़ जिस टीम का ऐलान करेंगे, उसके अधिकतर सदस्य आने वाले विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऐसे में जहां पार्टी मजबूत है, वहां किस तरह से पार्टी की पकड़ और मजबूत हो। जहां पार्टी कमजोर है, वहां किस तरह से पार्टी को मजबूती मिले। इसे ध्यान में रखते हुए राठौड़ नई टीम का ऐलान कर सकते हैं। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की नई टीम में मौजूदा कई नेताओं को जगह मिलने की उम्मीद कम है। इन नेताओं में प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया, सीआर चौधरी, नारायण पंचारिया, मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा और प्रदेश महामंत्रियों में दामोदर अग्रवाल, ओमप्रकाश भड़ाना, श्रवण सिंह बगड़ी व संतोष अहलावत बाहर हो सकती हैं। चुन्नीलाल गरासिया को पार्टी ने राज्यसभा भेजा है। वहीं, सीआर चौधरी को प्रदेश सरकार ने किसान आयोग का अध्यक्ष बना दिया। ऐसे में इन दोनों नेताओं की जगह नए चेहरों को मौका मिलना तय माना जा रहा है। दामोदर अग्रवाल भीलवाड़ा से सांसद बने हैं। ओमप्रकाश भड़ाना को देवनारायण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा चुका है। कार्यकारिणी में इन नेताओं को नए नेताओं से रिप्लेस किया जा सकता है। इसके साथ ही संगठन चुनाव के संयोजक रहे नारायण पंचारिया को पार्टी नई जिम्मेदारी दे सकती है।

आपणी धरोहर आपणो गौरव

राजस्थान सरकार

कार्यालय उपखण्ड स्तरीय पर्यटन विकास समिति(एस.डी.एम) मेड़ता, जिला-नागौर

निविदा सूचना

क्रमांक :- मी. स्मा. /2025/07 दिनांक:- 17.03.2025

मीराबाई स्मारक पेनोरमा मेड़ता को संचालित करने के लिए इच्छुक पंचीकृत सेवाप्रदाता एजेन्सियों से दिनांक 25.03.2025 को प्रात: 11:00 बजे तक निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबपोर्टल http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- PHL2425A0054
UBN Code:- PHL2425SSOB00053

उपखण्ड अधिकारी एवं अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय पर्यटन विकास समिति
मेड़तासिटी

कार्यालय नगर परिषद्, नागौर

क्रमांक न.प.ना / विकास /2024-25/638 दिनांक:-17.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 13/ 2024-25

नगर परिषद् नागौर की और से नगर परिषद् नागौर एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्रं.सं.	विवरण	दिनांक व समय
1	ऑन लाईन निविदा फार्म मिलना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	18.03.2025 को 17.00 बजे से
2	ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	18.03.2025 को 17.00 बजे से
3	ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की अंतिम दिनांक व समय	27.03.2025 को18.00बजे तक
4	निविदा शुल्क / धरोहर राशि की मूल प्रति नगर परिषद् नागौर कार्यालय में जमा कराने की दिनांक व समयावधि	28.03.2025 को13.30 बजे तक
5	ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक व समय	28.03.2025 को 16.00 बजे से
6	NIB CODE	DLB2425A6540
7	UBN NO:- DLB2425WSOB21048	
8	कुल कार्यो की संख्या	1
9	कार्य की कुल लागत (लाखों में)	44.76 लाख

सभापति
नगर परिषद्, नागौर

आयुक्त
नगर परिषद्, नागौर

कार्यालय नगर परिषद्, नागौर

क्रमांक न.प.ना /विकास/2024-25/624 दिनांक:-12.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 12/ 2024-25

नगर परिषद् नागौर की और से नगर परिषद् नागौर एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट पर http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

क्रं.सं.	विवरण	दिनांक व समय
1	ऑन लाईन निविदा फार्म मिलना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	18.03.2025 को 17.00 बजे से
2	ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	18.03.2025 को 17.00 बजे से
3	ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की अंतिम दिनांक व समय	27.03.2025 को 18.00 बजे तक
4	निविदा शुल्क / धरोहर राशि की मूल प्रति नगर परिषद् नागौर कार्यालय में जमा कराने की दिनांक व समयावधि	28.03.2025 को 13.30 बजे तक
5	ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक व समय	28.03.2025 को 16.00 बजे से
6	NIB CODE	DLB2425A6529
7	UBN is DLB2425WSOB20936, DLB2425WSOB20937, DLB2425WSOB20938, DLB2425WSOB20939, DLB2425WSOB20940, DLB2425WSOB20941, DLB2425WSOB20942, DLB2425WSOB20943, DLB2425WSOB20944, DLB2425WSOB20945, DLB2425WSOB20946, DLB2425WSOB20947, DLB2425WSOB20948, DLB2425WSOB20949, DLB2425WSOB20950, DLB2425WSOB20951, DLB2425WSOB20952, DLB2425WSOB20953, DLB2425WSOB20954, DLB2425WSOB20955, DLB2425WSOB20956, DLB2425WSOB20957, DLB2425WSOB20958, DLB2425WSOB20959, DLB2425WSOB20960, DLB2425WSOB20961, DLB2425WSOB20962, DLB2425WSOB20963, DLB2425WSOB20964, DLB2425WSOB20965, DLB2425WSOB20966, DLB2425WSOB20967, DLB2425WSOB20968, DLB2425WSOB20969, DLB2425WSOB20970, DLB2425WSOB20971, DLB2425WSOB20972, DLB2425WSOB20973, DLB2425WSOB20974, DLB2425WSOB20975, DLB2425WSOB20976, DLB2425WSOB20977, DLB2425WSOB20978, DLB2425WSOB20979, DLB2425WSOB20980, DLB2425WSOB20981, DLB2425WSOB20982, DLB2425WSOB20983, DLB2425WSOB20984, DLB2425WSOB20985, DLB2425WSOB20986, DLB2425WSOB20987, DLB2425WSOB20988, DLB2425WSOB20989	
8	कुल कार्यो की संख्या	54
9	कार्यो की कुल लागत (लाखों में)	2314.23 लाख

सभापति
नगर परिषद्, नागौर

आयुक्त
नगर परिषद्, नागौर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री प्राची राजपुरोहित को अपनी सम्पति से आज दिनांक 17.03.2025 से बेदखल करता हू। उक्त पुत्री मेरे कहने में नहीं है। इसे मेरी सम्पूर्ण जायदाद, सम्पति धन दौलत आदि से बेदखल करता हू। तथा मेरी सम्पति पर मेरी पुत्री का कोई हक हिस्सा नहीं है और ना ही भविष्य में रहेगा। मेरी पुत्री का आधार नम्बर 8411-1470-3076 है। तथा आज दिनांक के बाद मेरी पुत्री से मेरा कोई संबध नहीं है और ना ही भविष्य में रहेगा।

पदम सिंह राजपुरोहित पुत्र सुरेन्द्र सिंह जाति राजपुरोहित निवासी बाडी कुआ, नया दरवाजा नागौर तहसील व जिला नागौर राजस्थान।

कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नागौर (नागौर)

क्रमांक: 2024-25/401 दिनांक: 17.03.2025

खुली निविदा सूचना

कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नागौर में वाटर डिस्पेन्सर विद आरओ के लिए रजिस्टर्ड व्यक्तियों/फर्मों/सेवा प्रदाताओं से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है, विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	संभावित व्यय (लाखों में)	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा शुल्क धरोहर राशि व निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि व समय	तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि व समय
1.	वाटर डिस्पेन्सर विद आरओ	9.40	18800	500	26.03.2025 11.00 पीएम	26.03.2025 02.00 पीएम	26.03.2025 03.00 पीएम

NIB NO.MHS2425A3891 BID NO-MHS2425GSOB05527

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निविदा प्राप्त करने व खोलने के समय में विशिष्ट परिस्थितियों में बदलाव किया जा सकता है। किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षर का होगा। बिना धरोहर राशि निविदा प्रपत्र शुल्क व देरी से प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा का विस्तृत विवरण http://sppp/rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखा जा सकता है।

राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013, GF&AR के सभी नियम व शर्तें मान्य होगी। उपरोक्त राशि तथा आवश्यक मूल दस्तावेज निविदादाता द्वारा 26.03.2025 को 2.00 पीएम तक बंद लिफाफे में जमा करवाना आवश्यक है।

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी
नागौर (नागौर)

कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नागौर (नागौर)

क्रमांक: 2024-25/402 दिनांक: 17.03.2025

खुली निविदा सूचना

कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नागौर में परीक्षण मेज के लिए रजिस्टर्ड व्यक्तियों/फर्मों/सेवा प्रदाताओं से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है, विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	संभावित व्यय (लाखों में)	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा शुल्क धरोहर राशि व निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि व समय	तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि व समय
1.	परीक्षण मेज	5.80	11600	500	26.03.2025 11.00 पीएम	26.03.2025 02.00 पीएम	26.03.2025 04.00 पीएम

NIB NO.MHS2425A3895 BID NO-MHS2425GSOB05529

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निविदा प्राप्त करने व खोलने के समय में विशिष्ट परिस्थितियों में बदलाव किया जा सकता है। किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षर का होगा। बिना धरोहर राशि निविदा प्रपत्र शुल्क व देरी से प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा का विस्तृत विवरण http://sppp/rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखा जा सकता है।

राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013, GF&AR के सभी नियम व शर्तें मान्य होगी। उपरोक्त राशि तथा आवश्यक मूल दस्तावेज निविदादाता द्वारा 26.03.2025 को 2.00 पीएम तक बंद लिफाफे में जमा करवाना आवश्यक है।

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी
नागौर (नागौर)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर, 3-ए विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया जे.एल.एन. मार्ग जयपुर से मुद्रित व राजकीय अस्पताल के सामने नागौर से प्रकाशित। सम्पादक- रमेश चन्द्र जैन। फोन : 240071 फैक्स- 01582-247171 जयपुर कार्यालयः डी.एल. टावर 3-ए-विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग, निदेशक : बी.एम. शर्मा, सम्पादक : महेन्द्र कुमार यादव। फोन : 2709102-3, फैक्स : 0141-2709275, अलवर कार्यालय : केडलगंज, अलवर संपादक चंद्रप्रकाश सैनी। फोन : 2335105,2701531 भरतपुर कार्यालयः कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780 | आरएनआई नं. 48413/88